RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:292 ता. 17 मई 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जंतर-मंतर पर डटे पहलवानों ने किया जंग का ऐलान, बृज भूषण की गिरफ्तारी को बना रहे ये इंटरनेशनल प्लान

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 23 दिन से धरना दे रहे पहलवानों ने अब आंदोलन को और धार देने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने एक बार फिर ऐलान किया कि जब तक भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी नहीं होती है, वे पीछे नहीं हटेंगे। इसके लिए पहलवान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन जुटाने के लिए विदेशी ओलंपिक चैंपियनों को पत्र लिखेंगे। सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी आदि पहुंचे।

मिस्ड कॉल देकर सहयोग करें- प्रेसवार्ता में पहलवान साक्षी मलिक ने कहा, भारत की बेटियों की लड़ाई में जो भी समर्थन देना चाहता है वह 9053903100 नंबर मिस्ड कॉल कर सकता है। आरोप लगाया कि रविवार रात धरना खराब करने की कोशिश की गई। उन्होंने बताया कि हम अपनी समस्या को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेकर जाएंगे। बाहर के ओलंपिक चैंपियनों को पत्र लिखेंगे।

प्रदर्शन को जेल में तब्दील करने की कोशिश- पहलवान विनेश फोगाट ने कहा, हम जंतर-मंतर से बाहर भी प्रदर्शन को बढ़ाएंगे। ऐसा महसूस हो रहा है कि प्रदर्शन को दबाने और जेल में तब्दील करने की कोशिश की जा रही है। इसे हर जन तक पहुंचना चाहते हैं, यह देश की बेटियों की लड़ाई है। यह अलग-अलग क्षेत्रों की महिलाओं की आवाज है। 21 मई के बाद बड़ा फैसला लेंगे। 16 मई को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को ज्ञापन देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि रात में कुछ अंजान लोग आते हैं। हमारे वीडियो रिकॉर्ड करते हैं और फोटो लेते हैं। जब मना करते हैं तो उसके बाद चोरी-छिपे काम करते हैं।

शराब घोटाले में सीबीआई के हाथ लगा वह शख्स जिसकी थी तलाश, लेनदेन का खुल सकता है राज

दिल्ली के कथित शराब घोटाले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने एक न्यूज चैनल के बड़े अधिकारी को गिरफ्तार किया है। बताय जा रहा है कि इनके जरिए ही 17 करोड़ रुपए गोवा पहुंचाए गए थे।

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने नोएडा से संचालित एक न्यूज चैनल के बड़े अधिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने हवाला के जरिए 17 करोड़ रुपए उस कंपनी तक पहुंचाए जो गोवा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के प्रचार का जिम्मा संभाल रही थी। एजेंसी सूत्रों के मुतबिक चैनल हेड की गिरफ्तारी के बाद अब यह राज खुल सकता है कि पैसा कहां से आया और कहां गया। शराब घोटाले में यही सबसे बड़ा सवाल है जिसका जवाब बहुत हद तक नहीं मिला है। आम आदमी पार्टी के कई नेता और खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी जांच एजेंसियों से बार-बार पूछते रहे हैं कि घोटाला हुआ तो पैसा कहां गया? सीबीआई ने 12 मई को अरविंद कुमार सिंह को गिरफ्तार किया जोकि इंडिया अहेड नाम

के न्यूज चैनल के कॉर्मशल हेड और प्रोडक्शन कंट्रोलर हैं। कोर्ट ने अरविंद को 18 मई तक सीबीआई की कस्टडी में भेज दिया है। बताया जा रहा है कि सीबीआई हवाला ऑपरेटर्स के वॉट्सऐप चैट के जरिए अरविंद सिंह तक पहुंची। सूत्रों के मुताबिक, इनसे पता चला था कि जून 2021 से जनवरी 2022 के बीच उन्होंने 17 करोड़ रुपए हवाला के जरिए चैरिऑट मीडिया तक पहुंचाने में मत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसने गोवा चुनाव में आम आदमी पार्टी के लिए आउटडोर एडवरटाइजमेंट कैंपेन का जिम्मा संभाला था।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, रिमांड के दौरान आरोपी का कुछ गवाहों से आमना-सामना कराया गया है। उनका मोबाइल फोन जब्त किया जा चुका है और वॉट्सऐप चैट, कॉल्स के रूप में कुछ महत्वपूर्ण डेटा मिला है। डिजिटल और अन्य दस्तावेजी सबूतों से उनका सामना कराया जा रहा है।सीबीआई ने हाल ही में चैनल के एक और वरिष्ठ कर्मचारी अर्जुन पांडेय के खिलाफ चार्जशीट दायर किया था, जिनका नाम एफआईआर में आरोपी के तौर पर दर्ज है। शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की पड़ताल कर रही ईडी ने चार्जशीट में कहा है कि कथित तौर पर आम आदमी पार्टी को रिश्वत के तौर पर मिली रकम का एक हिस्सा गोवा चुनाव के लिए हवाला के जरिए भेजा गया था।

दिल्ली में 12वीं की छात्रा ने नाले में कूद कर क्यों दे दी जान, वजह कर देगी हैरान

रद्द की जा चुकी शराब नीति के निर्माण और लागू किए जाने में कथित तौर पर गड़बड़ियों की जांच सीबीआई कर रही है। जांच एजेंसी का दावा है कि नीति को इस तरह तैयार किया गया कि शराब कारोबारियों को अधिक फायदा पहुंचाया जा सके। बदले में 100 करोड़ रुपए की रिश्वत ली गई। हालांकि, आम आदमी पार्टी सभी आरोपों को खारिज करती रही है। सीबीआई और ईडी ने दिल्ली सरकार के पूर्व डिप्टी सीएम और तब आबकारी मंत्री रहे मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार कर लिया है। फरवरी अंत से ही मनीष सिसोदिया जेल में हैं।

राधा-कृष्ण मंदिर से लाखों की चोरी कर पछताया शख्स, 9 साल बाद माफी मांगकर लौटाए गहनें

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर के बाहरी इलाके में स्थित एक राधा कृष्ण मंदिर से 9 साल पहले एक चोर ने चांदी के गहने चुराए थे। अब 9 साल बाद वह चोर मंदिर पहुंचा और लिखित माफीनामे के साथ चोरी किए सारे गहने वापस कर दिए। चोर ने बाकायदा अपनी तरफ से 201 रुपए दान किए और दंड के तौर पर 100 रुपए अतिरिक्त भी दिए हैं। यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला मई 2014 का है, जब भुवनेश्वर के धौली थाने के अंतर्गत गोपीनाथपुर गांव में राधा-कृष्ण मंदिर के चांदी के कई आभूषण चोरी हो गए थे। चोरी हुए आभूषणों में टोपी, कान की बाली, कंगन और एक बांसुरी शामिल है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने और तलाशी लेने के बावजूद भी ग्रामीणों को न तो चोर के बारे में कोई जानकारी मिल सकी और न ही चोरी हुए जेवरात बरामद हुए।

लिखित माफीनामा दे वापस किए गहनें

धौली थाने के प्रभारी निरीक्षक चितरंजन राउत ने बताया कि करीब 4 लाख रुपये मूल्य के आभूषणों से भरा बैग जिस मंदिर से चोर ने चुराया था, वह मंदिर के बगल में एक घर के बाहर रखा हुआ था। नोट में उसने उल्लेख किया है कि वह 301 रुपये छोड़ रहा है, जिसमें से 201 रुपये दान के लिए थे और 100 रुपये दंड के रूप में थे। उसने लिखा कि जब मंदिर में यज्ञ किया जा रहा था तब उसने गहने ले लिए। गहने चोरी करने के बाद उसे एक का सामना करना पड़ा।

धौली पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक चित्तरंजन राउत ने कहा, नौ साल के दौरान शायद चोर के जीवन में बहुत सारी समस्याएं आई होगी और इसलिए उसने गहने वापस करने का फैसला किया। हालांकि नोट में चोर ने अपना नाम नहीं बताया है।

लोग मान रहे चमत्कार

मंदिर के पुजारी कैलाश पांडा ने कहा कि चोरी गए आभूषणों की बरामदगी किसी चमत्कार से कम नहीं है। हमें उम्मीद नहीं थी कि गहने फिर से इस तरह निकलेंगे। हमने घटना के बाद देवताओं के लिए नए गहने खरीदे थे। यह ईश्वरीय हस्तक्षेप के अलावा और कुछ नहीं है।

हरियाणा के इन शहरों में भी दौड़ेगी रैपिड रेल, आरआरटीएस प्रोजेक्ट को खट्टर सरकार की मंजूरी

गुरुग्राम। दिल्ली-मेरठ के बाद जल्द ही हरियाणा में भी रैपिड रेल दौड़ती नजर आएगी। दिल्ली-गुरुग्राम- शाहजहांपुर- नीमराणा- बहरोड़ अलवर और दिल्ली से पानीपत रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना को हरियाणा सरकार ने सोमवार को मंजूरी दे दी है। मंजूरी के बाद अब योजना की फाइल केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। मुख्य सचिव संजीव कौशल की अध्यक्षता में हुई आरआरटीएस की बैठक के दौरान बताया गया कि दिल्ली-शाहजहांपुर- नीमराणा- बहरोड़ (एसएनबी) और आरआरटीएस कॉरिडोर की लंबाई 107 किलोमीटर लंबी होगी। इसमें 70 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड और शेष 37 किलोमीटर अंडरग्राउंड होगा। इस पर 6 अंडरग्राउंड, 9 एलिवेटेड और 1 एट-ग्रेड स्टेशन होंगे। रेवाड़ी के धारूहेड़ा में एक डिपो बनाने की योजना है। दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान से गुजरने वाले इस कॉरिडोर की लंबाई क्रमश 23 किलोमीटर, 83 किलोमीटर

और किलोमीटर कमी है। प्रस्तावित अलायनमेंट का एलिवेटेड हिस्सा पुरानी दिल्ली-गुरुग्राम, गुरुग्राम में सेक्टर-17 के आरओडब्ल्यू और एसएनबी (राजस्थान सीमा) तक एनएच-40 और 48 के बीच होगा।

91.5 किलोमीटर भूमिगत होगा कॉरिडोर

बैठक के दौरान बताया कि 103 किमी लंबे अलायनमेंट के दिल्ली-पानीपत आरआरटीएस कॉरिडोर का 11.5 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड और शेष 91.5 किलोमीटर हिस्सा अंडरग्राउंड होगा। इसमें 2 अंडरग्राउंड, 14 एलिवेटेड और 2 एट ग्रेड स्टेशन होंगे। मुरथल और पानीपत में दो डिपो बनाने की योजना है। दिल्ली में इसकी लंबाई 36.2 किलोमीटर जबकि हरियाणा में 66.8 किलोमीटर होगी।

केंद्र सरकार के अधीन है परियोजना

एनसीआरटीसी का प्रशासनिक नियंत्रण केंद्रीय आवास और शहरी मामले मंत्रालय के अधीन है। एनसीआरटीसी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों में आरामदायक और तेज पारगमन सुविधा प्रदान करने और परिवहन मांग में उच्च वृद्धि को पूरा करने के लिए एनसीआर में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजनाओं के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन, वित्त-पोषण, संचालन और रखरखाव का कार्य करता है।

दिल्ली के अमृता सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बम की सूचना से मचा हड़कंप

पुलिस ने स्कूल को खाली कराया

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के पुष्प विहार में अमृता सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ईमेल के जरिये बम होने की सूचना मिली है। इसकी जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस और बम स्क्वॉड समेत कई टीमें मौके पर पहुंच कर जांच कर रही हैं। डीसीपी (साउथ दिल्ली) चंदन चौधरी दिल्ली ने कहा, मंगलवार सुबह 6:33 बजे साकेत के अमृता सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बम की धमकी के संबंध में एक ईमेल प्राप्त हुआ था। बम डिस्पोजल टीम के माध्यम से स्कूल की सघन तलाशी ली गई, लेकिन कुछ नहीं मिला।

बता दें कि, बीते माह दिल्ली के एक और बड़े स्कूल में बम की फर्जी कॉल मिली थी, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान चलाकर कॉल के फर्जी होने की जानकारी दी थी।

एमबीबीएस छात्रा ने फीस भरने को पीएम और डीएम से मांगी थी मदद, 200 से अधिक अफसरों ने दिया एक दिन का वेतन

भरूच (गुजरात)। गुजरात के भरूच में डीएम और जिला प्रशासन कर्मचारियों ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। भरूच के जिला कलेक्टर तुषार सुमेरा समेत जिला प्रशासन के 200 से अधिक कर्मचारियों ने एक एमबीबीएस छात्रा आलियाबानू पटेल की दूसरे सेमेस्टर की 4 लाख रुपये की फीस भरने में मदद करने के लिए एक दिन का वेतन दान किया है। आलियाबानू ने 12वीं कक्षा में 79.80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के बाद पिछले साल वड़ोदरा के पारुल विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था। आलियाबानू के पिता नेत्रहीन हैं, इसके चलते उसे अपनी पढ़ाई जारी रखने में वित्तीय दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, उसने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और जिला प्रशासन को पत्र लिखकर मदद की गुहार लगाई थी, क्योंकि पिछले साल एक कार्यक्रम में पीएम मोदी की ओर से छात्रा और उसके पिता को मदद का आश्वासन दिया गया था।

पीएम मोदी ने दिया था मदद का भरोसा

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल

12 मई को सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के लिए एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भरूच जिले के वागरा तालुका के दृष्टिबाधित पिता अय्यूब पटेल से बातचीत की थी। वह केंद्र सरकार की राष्ट्रीय वृद्ध पेंशन योजना के लाभार्थियों में से एक थे। पटेल अपनी पत्नी और तीन बेटियों के साथ भरूच के दूधधारा डेयरी ग्राउंड में आयोजित उत्कर्ष पहल कार्यक्रम में मौजूद थे। उस समय अय्यूब ने प्रधानमंत्री को ग्लूकोमा के कारण अपनी आंखें खोने के बारे में बताया था।

जब पीएम मोदी उनके परिवार और बच्चों के बारे में बात कर रहे थे, संयोग से उसी दिन 12वीं कक्षा के परिणाम घोषित हुए थे तभी पटेल ने अपनी पीएम मोदी से अपनी सबसे बड़ी बेटी आलियाबानू के बारे में बात की। पीएम मोदी ने भी आलियाबानू से बात कर उसे बधाई दी थी। इस दौरान अपने करियर के बारे में पूछे जाने पर छात्रा ने पीएम को बताया कि उनके पिता की आंखों की रोशनी चली जाने के चलते उसका डॉक्टर बनने का सपना है। इस पर पीएम मोदी ने अय्यूब पटेल से कहा था कि अगर उनकी बेटी को पढ़ाई जारी रखने में कोई दिक्कत आती है तो उनसे संपर्क कर सकते हैं।

नेत्र रोग विशेषज्ञ बनना चाहती है आलियाबानू

आलियाबानू पटेल ने कहा, मैं एक नेत्र रोग विशेषज्ञ बनना चाहती हूं। मेरे पिता वित्तीय समस्याओं का सामना कर रहे थे, और हमें याद आया कि पीएम मोदी ने हमसे कहा था कि वह हमारी मदद करने के लिए तैयार हैं, इसलिए, हमने उन्हें और जिला कलेक्टर को लिखा और आर्थिक मदद मांगी। मैं उनके सपोर्ट के लिए पीएम मोदी और जिला कलेक्टर की बहुत आभारी हूं।

दिल्ली-एनसीआर में फिर पसरी धूल की चादर, अगले तीन दिन बूंदाबांदी के आसार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में मंगलवार की सुबह अन्य दिनों की अपेक्षा थोड़ी राहत महसूस की गई लेकिन दिल्ली-नोएडा के कई इलाकों में धूलभरी हवा चली और आसमान में धूल की परत दिखाई दी।इस वजह से दिल्ली-एनसीआर में विजिविलिटी में कमी आई है। मौसम विभाग के मुताबिक आज दिल्ली में कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हो सकती है। IMD ने पहले ही 16 मई को मौसम बदलने और हरियाणा, पंजाब में धूलभरी आंधी चलने की संभावना जताई थी।

दिल्ली में नमी बढ़ी- दिल्ली में सुबह 7 बजे के करीब तापामन 30 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। दिन में पारा 42 डिग्री तक चढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अरब देशों में पश्चिमी विक्षोभ का एक सिस्टम सक्रिय है, जिसकी वजह से मौसम में बदलाव आया है। आज दिल्ली की हवा में 36 फीसदी नमी दर्ज की गई, जबकि हवा की गति 13 किलोमीटर प्रतिघंटे दर्ज की गई।

हल्की बारिश और बूंदाबांदी की संभावना- सोमवार को सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम (रात) तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो पिछले दिन के 25.9 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा कम था। रविवार को अधिकतम (दिन) तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस रहा था। आईएमडी के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, एक और पश्चिमी विक्षोभ 17 मई से शुरू होगा। आखिरकार, इसके प्रभाव से 18 मई को बारिश की संभावना है। उन्होंने कहा, उच्च नमी और गर्मी जैसी स्थानीय परिस्थितियों के कारण, मंगलवार को हल्की बारिश और

बूंदाबांदी की 50 प्रतिशत संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय- स्काईमेट वेदर ने बताया है कि एक पश्चिमी विक्षोभ फिलहाल पहाड़ियों पर बना हुआ है और मैदानी इलाकों पर एक सर्कुलेशन बना हुआ है, जबकि एक और पश्चिमी विक्षोभ 17 मई को आ रहा है। इन दोनों सिस्टम्स के संयुक्त प्रभाव से मौसमी गतिविधियों में बदलाव आएंगे। एजेंसी के मुताबिक, इस गतिविधि का तापमान पर बहुत अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि इससे अधिकतम तापमान में अधिक इजाफा नहीं हो सकेगा।

पूर्वोत्तर में बारिश के आसार- मौसम विभाग ने ताजा पूर्वानुमान में कहा है कि दक्षिणी बांग्लादेश के पास एक चक्रवात भी सक्रिय है, जिसकी वजह से पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश हो सकती है। ढ्रस्ष्ठ के मुताबिक, अगले पांच दिनों तक पूर्वोत्तर भारत में हल्की बूंदाबांदी से लेकर अच्छी बारिश हो सकती है। विभाग ने अरुणाचल प्रदेश में 16 मई को और असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 16 से 19 मई के बीच भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित में बिजली चमकने की आशंका जताई है।

पश्चिम बंगाल में काल बैसाखी का प्रकोप- दक्षिण बंगाल में सोमवार दोपहर को भीषण गर्मी के बाद बारिश आई और धीरे-धीरे आसमान में अंधेरा छा गया। इसके तुरंत बाद, कोलकाता, हावड़ा, हुगली, दोनों 24 परगना, दोनों मिदनापुर, बांकुरा और दोनो बर्दवान जिलों में भारी तूफान शुरू हो गया। इसे काल बैसाखी कहा जाता है। तेज आंधी तूफान के कारण पश्चिम बंगाल में पेड़ उखड़ने और तार टूटकर गिर जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। उत्तर 24 परगना में जहां दो लोगों की मौत हुई, वहीं पूर्वी मिदनापुर और हावड़ा जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। भारी बारिश से वक्टिोरिया मेमोरियल के सामने पेड़ कारों पर गिर गए। लेक गार्डन्स, सदर्न एवेन्यू को भी विभन्रि छोरों पर पेड़ गिरने के कारण भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा।

संक्षेप खबर

समाज के नवनिर्माण में नशा मुक्ति अभियान एक सराहनीय पहल : मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा राजधानी रायपुर स्थित शान्ति सरोवर में आयोजित नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के शुभारंभ समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री बघेल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक सत्यनारायण शर्मा, गृह सचिव अरूण देव गौतम, प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के डॉ. सचिन परब, डॉ. बनारसी लाल शाह, ब्रम्हकुमारी हेमलता, ऊषा बहन उपस्थित थी। मुख्यमंत्री बघेल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए नशा मुक्त भारत अभियान समाज के निर्माण की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस तारतम्य में चलाए जा रहे नशा मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को सफल बनाने में हम सबकी महती भागीदारी हो। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि नशे की शुरूआत आमतौर पर बाल्यकाल या युवावस्था से होती है। पहले शौक-शौक में पीना शुरू करते हैं, जो धीरे-धीरे आदत बन जाती है। यह जीवन में कड़वाहट घोल देता है। नशा एक बड़ी सामाजिक बुराई है, जो शारीरिक और मानसिक रूप से हम सबके लिए काफी नुकसानदेह है। यह व्यक्ति, परिवार और समाज सभी पर दुष्प्रभाव डालता है। नशा मुक्ति के लिए सामाजिक एकजुटता से जागरूकता अभियान चलाना एक अच्छा विकल्प है। मुख्यमंत्री बघेल ने समारोह में उपस्थित लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि हमें मानवता की सेवा का नशा करना चाहिए क्योंकि इसका नशा सबसे बड़ा है। जिसके सामने हर नशा पीछे छूट जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने नशा मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को नशामुक्त भारत अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं और शासन की ओर से सहयोग का आश्वासन भी दिया। उन्होंने केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बीच हुए एमओयू के तहत चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के लिए प्रदेश के सभी जिले के लिए अभियान यात्रियों के झण्डा कलश यात्रा का शुभारंभ भी किया।

प्री वेडिंग शूट करवाने से बचें, युवतियों के भविष्य के लिए हानिकारक : महिला आयोग

रायपुर। रिश्ता तय होने पर विवाह की तैयारी जोरशोर से शुरू हुई और युवक-युवती ने प्री वेडिंग शूट भी करवाया। अचानक किसी बात को लेकर मतभेद उभर आए और विवाह होने से पहले ही रिश्ता टूट गया। आवेदिका युवती ने महिला आयोग में शिकायत की थी कि विवाह की तैयारी के लिए किया गया खर्च दिलाया जाए और प्री वेडिंग शूट की फोटो, वीडियो को नष्ट किया जाए। आयोग में शिकायत होने के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया और आवेदिका ने प्रकरण वापस लेने आवेदन दिया। युवती ने आयोग सदस्यों के समक्ष बताया कि लड़के वालों ने विवाह की तैयारी के लिए किया गया खर्च लौटा दिया है। साथ ही प्री वेडिंग शूट की वीडियो को डिलीट कर दिया है। इस पर महिला आयोग ने युवक पक्ष को हिदायत दी कि भविष्य में युवती की कोई भी फोटो, वीडियो यदि इंटरनेट मीडिया में प्रसारित किया गया तो युवती, साइबर क्राइम के तहत रिपोर्ट दर्ज करा सकती है। महिला आयोग ने सुनवाई करते हुए युवा पीढ़ी को सलाह दी कि पश्चिमी संस्कृति को हावी न होने दें। प्री वेडिंग शूट करवाने से बचें क्योंकि यह युवतियों के भविष्य के लिए हानिकारक है।

संत समाज के मार्गदर्शक : मुख्यमंत्री

दुर्ग। कबीर पंथ भक्त जनों द्वारा सदुरु कबीर आश्रम सेलूद में 13 मई से दो दिवसीय विराट संत समागम समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। जहां उन्होनें सदुरु कबीर साहेब की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित का माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि संत समाज के मार्गदर्शक होते हैं। उन्होंने संत कबीर का जिक्र करते हुए कहा की वो ऐसे महान संत थे जिन्होंने सामाजिक आडम्बर पर कड़ा प्रहार किया और अंधविश्वास के उन्मूलन के लिए ज्ञान के दिव्य प्रकाश का प्रसार किया। संत कबीर की वाणी, दोहों के माध्यम से आज भी समाज के सामने है और अनंत काल तक समाज के पथ प्रदर्शन का कार्य करेगी। संत कबीर प्रेम के अनुरागी थे। आज 650 वर्ष बीतने के बाद भी उनकी वाणी प्रसंगिग है। वे जाति, धर्म से परे मानवता और समाज को एक सूत्र में बांधने की बात किया करते थे। उन्होंने कहा जो ब्रम्हाण्ड मे है, वही पिंड में भी इसलिए उन्होंने उपस्थित जनों से अपने आप को पहचानने की बात कही। सन्त समागम में उपस्थित भक्त जनों को उन्होनें कहा मन रूपी बर्तन को खाली रखे तभी आप सन्त के वाणी को आत्मसात कर पाएं और ज्ञान को ग्रहण कर सकें। अपने उद्बोधन में उन्होने बताया कि सरकार भी सन्तो के बताए मार्ग पर चल कर शिक्षा, स्वास्थ व संस्कृति इत्यदि के माध्यम से प्रदेश के विकास का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में, आश्रम स्थल मे डोम बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम स्थल मे साहित्य वेदान्ताचार्य सुकृत साहेब शास्त्री, संचालक छोटे महन्त परमेश्वर दास साहेब, अध्यक्ष सन्त भूपत साहेब, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष राजेंद्र साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, कृषि उपज मंडी के अध्यक्ष अश्विनी साहू व अन्य जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु और अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने की जनसुनवाई, कहा- राहत कैंपों और प्रशासन शहरों संग अभियानों से मिल रही राहत

जयपुर। मुख्यमंत्री की जन सुनवाई के दौरान आम लोगों ने कहा कि राहत कैंपों और प्रशासन शहरों और गांवों के संग अभियानों से काफी राहत मिल रही है। महंगाई राहत कैंपों में गारंटी कार्ड मिलने से आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा और परिवार की बचत भी बढ़ेगी। ऐसी योजनाएं पूरे देश में लागू होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने कहा कि कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट तक निःशुल्क बिजली मिलने से आर्थिक संबल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई में दिव्यांगजनों के पास जाकर आत्मीयता से बातचीत की। उन्होंने समस्याओं के बारे में पूछा और अधिकारियों से भी जानकारी ली। गहलोत ने दिव्यांगजनों से संबंधित सभी प्रकार के लम्बित प्रकरणों को जल्द निपटाने करने के लिए निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न सेवाओं के कार्मिकों ने पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू करने के लिए धन्यवाद दिया। वर्तमान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को जनसुनवाई करते हैं। जब मुख्यमंत्री जयपुर में नहीं होते, तो मंत्री या अधिकारी जनसुनवाई करते हैं।

राउत ने दी शिंदे-फडणवीस सरकार को चुनाव कराने की चुनौती

मुंबई। उद्धव बाला साहेब ठाकरे (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सोमवार को शिंदे-फडणवीस राज्य सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि अगर दम है तो राज्य में चुनाव कराएं हम कर्नाटक की तरह जीत दर्ज करेंगे। श्री राउत ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ÷मुझे आत्मसमर्पण करने और शिवसेना छोड़ने के लिए मजबूर करने के लिए दबाव की रणनीति बनायी जा रही है लेकिन मैं दबाव के आगे नहीं झुकूंगा।÷ ठाकरे समूह के नेता श्री राउत ने शिंदे- फडणवीस सरकार को सीधे चुनौती देते हुए कहा है कि अगर उनमें साहस है तो मुंबई निगम चुनाव कराओ हम कर्नाटक चुनाव की तरह जीत दर्ज करेंगे।

बजरंग दल को बैन करने का वायदा : खड़गे को मानहानि मामले में नोटिस

संगरुर। कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वायदा करने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ दायर मानहानि के एक मामले में अदालत ने एक नोटिस जारी कर 10 जुलाई को तलब किया है। नोटिस हिंदू सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष हितेश भारद्वाज की तरफ से दाखिल मामले में पिछले शुक्रवार को जारी किया गया है। श्री भारद्वाज के दाखिल मामले में कहा गया है कि कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना राष्ट्र विरोधी संगठनों से करते हुए सत्ता में आने पर इसे प्रतिबंधित करने का वायदा किया गया है और बजरंग दल के बारे में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं।

भ्रष्टाचार सहित तीन मांगे पन्द्रह दिन में नहीं मानी गई तो पूरे राजस्थान में होगा आंदोलन : सचिन पायलट

जयपुर। एजेंसी

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने अपनी ही कांग्रेस सरकार से राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) को बंद कर कोई नई व्यवस्था लाई जाने, पेपर लीक से जिन बच्चों का नुकसान हुआ, उन्हें उचित आर्थिक मुआवजा देने और वसुंधरा सरकार के समय भ्रष्टाचार की जांच की मांग करते हुए घोषणा की है कि अगर ये तीनों मांगे पन्द्रह दिन में पूरी नहीं होती है तो पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा।

श्री पायलट भ्रष्टाचार को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ अजमेर से जयपुर तक की पांच दिन की अपनी जनसंघर्ष पद यात्रा के समापन पर सोमवार को जयपुर के भांकरोटा में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जनसभा हजारों लोगों ने भाग लिया। उन्होंने कहा सरकार के सामने ये तीन मांगे रखी गई अगर इस महीने के आखिर तक ये मांगें नहीं मानी गईं तो पूरे प्रदेश में हम आंदोलन करेंगे। उन्होंने सरकार के सामने तीन मांगें रखते कहा कि उनकी पहली मांग यदि जनता पर दोबारा भरोसा जीतना है तो आरपीएससी को बंद करो और कोई नई व्यवस्था लाई जाए। एक कानून बने, जिसमें मेंबर और अध्यक्ष की नियुक्ति की पूरी तरह जांच हो, जैसे हाईकोर्ट के जज की होती है। इस पूरे जंजाल को ध्वस्त करके नया सिस्टम खड़ा करना होगा। उन्होंने कहा कि दूसरी मांग पेपर लीक से जिन बच्चों का नुकसान हुआ है, उन्हें उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाना चाहिए और तीसरी वसुंधरा सरकार के भ्रष्टाचार की जांच हो। उन्होंने कहा कि अभी तक गांधीवादी तरीके से अपनी बात रख रहे थे और इसके तहत अपनी मांगों को लेकर चिट्ठियां लिखी, अनशन किया और जनसंघर्ष पद यात्रा निकाली। उन्होंने कहा कि इससे पहले हमारी मांग पर कोई कार्यवाही नहीं हुई लेकिन इस यात्रा के बाद उन्हें उम्मीद है कि अब कार्यवाही होगी, अगर अब भी कोई कार्यवाही नहीं होती है तो हम पुरजोर तरीके से पूरे प्रदेश में आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा मैं किसी पद पर रहूं या ना रहूं। राजस्थान की जनता की सेवा करता रहूंगा। मैं डरने वाला नहीं हूं, दबने वाला नहीं हूं। आपके लिए लड़ा हूं और लड़ता रहूंगा।

श्री पायलट ने कहा कि वसुंधरा सरकार के समय हुए भ्रष्टाचार की जांच के लिए अनशन रखा। उन्हें लगा कि हमें जनता के बीच जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो बच्चे मेहनत करते हैं, लाखों रुपए खर्च करते हैं, किराए के मकान में रहते हैं और फिर पेपर लीक हो जाता है। इसकी जड़ तक जाना होगा। उन्होंने कहा कि कहा जा रहा है कि कानून अपना काम कर रहा है, अगर कान्त अपना काम कर रहा है तो भेदभाव नहीं होना चाहिए। मछली, छोटी हो या बड़ी, पकड़ना ही पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि पहले कहा गया कि पेपर लीक मामले में कोई अधिकारी एवं नेता शामिल नहीं है, जब जांच पूरी नहीं हुई तो पहले से कैसे कहा जा सकता है कि ये लोग इसमें शामिल नहीं है। अब कटारा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कटारा किसके कहने पर आरपीएससी के सदस्य बने, इसकी भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कहां की नीति है कि अपनी पार्टी के नेता को बदनाम करो, भाजपा के नेताओं का गुणगान करो। यह चलने वाला नहीं है। जो कुर्सी पर बैठता है, उसे न्याय करना पड़ेगा। पक्षपात करने का अधिकार नहीं है। अगर दूध का दूध और पानी का पानी नहीं होगा तो विरोधी पूछेंगे कि कहीं कोई गड़बड़ तो नहीं है। उन्होंने कहा कि आजकल दूध और नींबू बहुत चल रहा है। उन्होंने कहा कि किसी को गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। नौजवान के मन में यदि मायूसी आ गई तो देश का भविष्य बेहतर नहीं होगा। यह यात्रा किसी का विरोध करने के लिए नहीं बल्कि

युवाओं के दिल में आग जलाने एवं उनका संरक्षण करने के लिए निकाली है।

उन्होंने कहा ÷मैं भी बीस साल से राजनीति कर रहा हूं। बड़े-बड़े पद मिले। जनता और पार्टी मेरे काम करने के तरीके के बारे में जानती है। कोई विरोधी भी मुझ पर अंगुली नहीं उठा सकता। उन्होंने युवाओं के पैरों के छालों की कसम खाते हुए कहा कि वह अब पीछे हटने वाला नहीं है। जो भी कुर्बानी देनी होगी, देने को तैयार है। कोई दूध और नींबू की सफाई दे रहा है। कोई कह रहा है कि दस बार बात हुई, नहीं हुई। मैंने तो कहा ही नहीं कि मिलीभगत है। सिर्फ यह कह रहा हूं कि जो मांग रखी है वह पूरी कर दो।

मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना का लाभ सभी पात्र किसानों को मिले : मंत्री सखलेचा

भोपाल। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा है कि मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना का लाभ सभी पात्र किसानों को सुनिश्चित करने के लिए किसानों के फॉर्म भरवाए जाएं। मंत्री सखलेचा ने आज जावद क्षेत्र के झांतला एवं ताल सेहनातलाई के प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कार्यालय में मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना के फार्म भरवाए। मंत्री सखलेचा ने कहा कि सरकार जो कहती है, वह करती है। पिछले 20 सालों में किसान, मजदूर, विद्यार्थी, बहन-बेटियों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछ गया है, पर्याप्त मात्रा में बिजली मिल रही है, किसान खुशहाल और समृद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना के तहत झांतला सोसाइटी के 384 किसानों को 19 लाख रुपए से अधिक की ब्याज माफी का लाभ मिलेगा। जावद क्षेत्र के 6600 से अधिक किसानों को ?24 करोड़ से अधिक की राशि की ब्याज माफी का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की पीड़ा को समझा और उन्हें डिफाल्टर होने से बचाने के लिए मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना शुरू की है।

जब तक सूरज-चांद रहेगा, भारत में राष्ट्रवाद और सनातन धर्म मौजूद रहेगा : हिमंत बिस्वा सरमा

हैदराबाद। एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जल्द ही देश में लागू की जाएगी और बहुविवाह प्रथा समाप्त हो जाएगी. वह भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य बी. संजय कुमार द्वारा करीमनगर में आयोजित हिंदू एकता यात्रा को संबोधित कर रहे थे. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, ''भारत में कुछ लोग सोचते हैं कि वे चार महिलाओं से शादी कर सकते हैं. लेकिन, मेरा कहना है कि आप चार शादी नहीं कर पाएंगे. वह वक्त अब समाप्त होने जा रहा. वह दिन दूर नहीं है. समान नागरिक संहिता भारत में लागू होने वाली है और देश को सही मायने में एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने का भी वक्त आ गया है.'' असम के मुख्यमंत्री ने हाल में कहा था कि राज्य सरकार ने बहुविवाह प्रथा समाप्त करने के लिए कानून लागू करने के वास्ते राज्य विधानसभा की विधायी शक्ति की पड़ताल के लिए चार सदस्यीय एक विशेषज्ञ समिति गठित की है. तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का नाम लिए बगैर सरमा ने कहा कि तेलंगाना में राजा के शासन की जगह राम राज्य आने वाला है. उन्होंने कहा कि 'राजा' के पास पांच महीने ही बचे हैं. तेलंगाना में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है. असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद टेलीविजन पर कुछ लोगों को यह कहते सुना कि देश में हिंदू के नाम पर और कुछ नहीं होगा. शर्मा ने कहा, ''जब तक सूरज-चांद रहेगा, भारत में राष्ट्रवाद और सनातन धर्म मौजूद रहेगा।

केबिनेट मंत्री पटेल ने चलित पशु चिकित्सा इकाईयो को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

बड़वानी। एजेंसी

प्रदेश के पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री प्रेमसिंह पटेल द्वारा बिमार पशुओं के उपचार हेतु घर पहुंच सेवा चलित पशु चिकित्सा इकाई सेवा टोल फ्री नम्बर 1962 का शुभारंभ कर साथ ही चलित पशु चिकित्सा इकाई वाहन एंबुलेंस चालक का श्रीफल देकर सम्मान निधि देकर सम्मानित कर वाहन को हरी झण्डी दिखाकर विकासखण्ड की और रवाना किया गया।

मध्यप्रदेश को 406 एवं बड़वानी जिले को 09 चलित पशु चिकित्सा इकाई की सौगात मिली हैं। जो बड़वानी जिले के सात विकासखण्ड हेतु उपलब्ध हैं। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इससे इलाज कराने में सहुलियत मिलेगी व बिमार पशुओं का उपचार घर पर ही हो सकेगा। पशु पालकों को पशुओं को उपचार हेतु चिकित्सालय में ले जाने हेतु असुविधा होती थी। अब यह असुविधा नहीं होगी व समय पर बिमार पशुओं को उपचार मिलेगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष बलवन्त पटेल द्वारा भी इस योजना हेतु शुभकामनाओं सहित सम्पूर्ण सहयोग हेतु आश्वासन दिया हैं। इस अवसर पर संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवायें इन्दौर संभाग इन्दौर डॉ. नरेन्द्र कुमार बामनिया ने बताया कि इन्दौर संभाग के 54 विकासखण्ड में 67 चलित पशु चिकित्सा इकाई वाहन की सुविधा भी रहेगी। उन्होंने बताया कि सभी चलित इकाई की मानिटरिंग जीपीएस से होगी। चलित इकाई राज्य स्तरीय कॉल सेन्टर से जुड़ी रहेगी। चलित पशु चिकित्सा इकाई कि विशेष बात यह हैं कि इन चलित इकाई में डॉक्टर सहित अन्य स्टॉफ भी मौजुद रहेंगे। साथ ही चलित इकाई में जॉच सहित कई सुविधाएं मौके पर ही मिलेगी व दवायें भी निःशुल्क मिलेगी। डॉक्टर को यदि लगता हैं कि पशु का ईलाज स्पॉट पर सम्भव नहीं हैं, तो वह पशु को निकटस्थ पशु चिकित्सालय भी ले जाऐंगे। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की संयुक्त योजना के तहत चलित पशु चिकित्सा इकाई बड़वानी जिले को मिलीं हैं।

रंग-बिरंगे खुबसूरत फूलों की खेती जिले के किसानों के जीवन में भर रहे नया रंग

राजनांदगांव। रंग-बिरंगे खुबसूरत फूलों की खेती जिले के किसानों के जीवन में नया रंग भर रही है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बरगाही की कृषक श्रीमती अनीता नायडू एवं उनके पति राजीव नायडू के खेत विविध फूलों से गुलजार हैं। उन्होंने फूलों की खेती के लिए पॉली हाऊस का निर्माण किया है। जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत 16 हजार 88 रूपए की राशि शासन से अनुदान मिला है। उन्होंने संरक्षित खेती योजना के अंतर्गत जरबेरा फूलों की वेरायटी लगाई है। किसान राजीव साहू ने बताया कि उन्हें संरक्षित खेती के तहत 14 लाख रूपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि यहां लगभग 36 हजार पौधे लगे हैं। अपने खेतों में उन्होंने जरबेरा की वेरायटी अंकुर, सिल्वेस्टर, दून, दानाएलन, व्हाइट हाऊस एवं फोर्ब्स के साथ गुलाब, विन्सेन्ट फूल भी लगाया है। फूलों की खेती से उन्हें लगभग 10 लाख रूपए की आमदनी हो रही है।

आर्म्सडेल भवन चरण-3 का लोकार्पण, कामकाज को सुगम बनाएगा नया ब्लॉक : सीएम

शिमला। एजेंसी

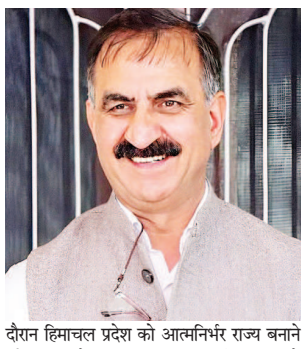

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को 43.07 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हिमाचल प्रदेश सचिवालय आर्म्सडेल भवन चरण-3 का लोकार्पण किया। इस आठ मंजिला भवन में आधुनिक सुविधाएं और 123 चार पहिया और 60 दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। इसमें डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, जनजातीय विकास कार्यालय, सम्मेलन कक्ष, मीटिंग हॉल, अधिकारियों और वाहन चालकों के लिए कमरे और एसबीआई और पीएनबी की शाखाओं के विभिन्न कार्यालय हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिवालय का पुराना भवन एक विरासत भवन है, जहां जन कल्याण के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नया भवन आधुनिक तकनीक के साथ सामंजस्य से कार्य करने की सरकार की कार्य प्रणाली को प्रदर्शित करता है। उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से कार्यान्वित करने में कर्मचारियों के सहयोग के महत्व पर भी विशेष बल दिया। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी चार वर्षों के दौरान हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में राज्य सरकार आर्थिक रूप से विवेकपूर्ण निर्णय ले रही है। प्रदेश सरकार के कल्याणकारी निर्णयों में कर्मचारियों का सहयोग भी वांछित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए कई निर्णय लिए हैं और आने वाले समय में कई कड़े निर्णयों के साथ प्रशासनिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण सुधार किए जाएंगे। प्रदेश को विकास पथ पर तेजी से अग्रसर करने के लिए कार्यों के निष्पादन में तेजी लानी होगी। सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने में सचिवालय के अधिकारी व कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी को पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर राज्य सरकार का सहयोग करना चाहिए। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। आर्थिक तंगी के बावजूद राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी किया गया है। एनपीएस का पैसा केंद्र सरकार के पास है और राज्य सरकार की हिस्सेदारी वापस लाने में कर्मचारियों को सहयोग करना होगा। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूजा अर्चना भी की। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने के उपरान्त प्रशासन को नई दिशा दी है। सचिवालय का नया भवन पूरे प्रदेश के लिए संदेश है कि नई सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अधिकारी और कर्मचारी मुख्यमंत्री की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. कर्नल (सेवानिवृत्त) धनी राम शांडिल, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, पूर्व मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी, प्रधान सचिव राजस्व ओंकार शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, हिमाचल प्रदेश सचिवालय सेवा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

अशोक सिंह प्रांत अध्यक्ष के मार्गदर्शन में यातायात सड़क सुरक्षा नियम के बारे में मार्गदर्शन दिया

टीकमगढ़। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन टीकमगढ़ शाखा के अध्यक्ष रामरतन दीक्षित एवं पदाधिकारियों के सहयोग से तथा प्रदेश के कुशल नेतृत्व करने वाले अशोक सिंह प्रांत अध्यक्ष के मार्गदर्शन में यातायात सड़क सुरक्षा नियम के बारे में माननीय पुलिस अधीक्षक रोहित जी टीकमगढ़एवं जतारा एसडीओ पुलिस गौतम जी एवं पुलिस निरीक्षक हिमांशु साहब। के सहयोग से थाना जतारा के समक्ष एक सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियम के संबंध में। पेन ड्राइव के माध्यम से विस्तार पूर्वक सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम की समझाइश दी जो लगातार माइक के द्वारा चलता रहा वाहन चालकों ने ध्यानपूर्वक सुना एवं उन्हें मानने के लिए स्वीकार किया। कार्यक्रम का आरंभ हरी झंडी के माध्यम से अभिषेक गौतम जी एसडीओपी जीके द्वारा किया गया जिसमें काफी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

समिति समान नागरिक संहिता का मसौदा 30 जून तक सौंप देगी : धामी

देहरादून। एजेंसी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि राज्य के लिए समान नागरिक संहिता पर 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और 30 जून तक इसका मसौदा तैयार हो जाएगा। उधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए धामी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने समान नागरिक संहिता के मसौदे से संबंधित 90 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। धामी ने कहा, 'समान नागरिक संहिता के मसौदे को तैयार करने वाली समिति ने कहा है कि वह इसे 30 जून तक सौंप देगी जिसके बाद हम इसे लागू करने के लिए कदम उठाएंगे।' मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही जोड़ा, 'हमें आशा है कि दूसरे राज्य भी हमारा अनुसरण करेंगे और समान नागरिक संहिता को लागू करेंगे।' समान नागरिक संहिता को लागू करना पिछले साल फरवरी में हुए उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक था जहां भाजपा ने जबरदस्त बहुमत हासिल कर प्रदेश में सत्ता में लगातार दूसरी बार आने का रिकार्ड बनाया था। धामी ने कहा, 'हम हरेक ऐसा फैसला लेंगे जो जनता के हित में है।' धामी 355 करोड़ रू की लागत वाली 113 परियोजनाओं की आधारशिला और लोकार्पण करने के लिए काशीपुर आए थे। उन्होंने कहा कि पेयजल और बिजली से संबंधित ये परियोजनाएं काशीपुर के विकास की रफ्तार को तेज करेंगी।

जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले की जांच सीबी-सीआईडी करेगी : स्टालिन

चेन्नई। एजेंसी

देश में जहरीली शराब से मौतों का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब तमिलनाडु में दो अलग-अलग घटनाओं में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने पीड़ित लोगों से अस्पताल में जाकर मुलाकात की। साथ ही कहा कि इस केस की जांच सीबी-सीआईडी करेगी।

जहरीली शराब का कहर

तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम में जहरीली शराब पीने से नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि चेंगलपट्टू जिले के मदुरंथकम में पांच लोगों की जिंदगी चली गई। इस घटना के बाद ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में 7 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इस घटना पर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि नकली शराब बनाने के लिए मेथनॉल का इस्तेमाल किया गया। सीएम ने इस मामले में एक्शन लेते हुए विल्लुपुरम के एसपी को निलंबित करने और चेंगलपट्टू के एसपी के तबादले का आदेश दिया है।

संक्षेप खबर

तुर्किये राष्ट्रपति चुनाव- एर्दोगन को मिले 49 प्रतिशत मत

इस्तांबुल। तुर्किये में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव के 91 प्रतिशत से अधिक मतपत्रों की गिनती पूरी हो चुकी है और मौजूदा राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इनमें से लगभग 49.50 प्रशित मत प्राप्त किए हैं। तुर्किये की सुप्रीम इलेक्शन काउंसिल (वाईएसके) के प्रमुख अहमत येनर ने यह जानकारी दी है। उन्होंने सोमवार को तड़के पत्रकारों को बताया कि श्री एर्दोगन को सत्तारूढ़ जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगी राष्ट्रवादी आंदोलन पार्टी ने नामित किया गया था। उन्होंने 91.9 फीसदी मतपत्रों की गिनती होने पर 49.49 प्रतिशत मत हासिल किया है। वहीं छह दलों के विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार श्री किलिकडारोग्लू को 44.79 प्रतिशत वोट मिले हैं। तुर्किये के चुनावी अधिकारियों द्वारा घोषित यह पहला आधिकारिक परिणाम हैं सरकारी न्यूज चैनल टीआरटी हैबर के टैली के अनुसार, 99 फीसदी से अधिक मतपत्रों की गिनती पूरी हो चुकी है और श्री एर्दोगन को इनमें से 49.42 प्रतिशत मत मिले हैं, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी श्री किलिकडारोग्लू को 44.88 वोट हासिल हुए हैं गौरतलब है कि तुर्किये में रविवार को राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव हुए। यदि राष्ट्रपति पद के चुनाव में किसी भी उम्मीदवार 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल नहीं मिलता है, 28 मई को इसका दूसरा चरण पूरा कराया जाएगा।

मैक्सिको में सड़क हादसे में 13 की मौत

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के पूर्वोत्तर राज्य तमुलिपास में एक ट्रेलर और ट्रक की टक्कर के बाद आग लग गई, जिसके कारण कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी। सार्वजनिक सुरक्षा के राज्य सचिवालय ने यह जानकारी दी है। एजेंसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ÷दुर्घटना रविवार सुबह राजमार्ग 83 से जुड़े हिडाल्गो-ज़रागोज़ा खंड पर घटित हुई। दुर्घटना में वाहन को नष्ट हो गए और आग लगने से वाहनों में सवार लोग जल गए। राजमार्ग को यातायात के लिए खुल दिया गया है, लेकिन राज्य के अधिकारियों ने लोगों से सावधानी से वाहन चलाने और गति सीमा तथा संकेतों का पालन करने का आह्वान किया है।

तुर्किये में संसदीय चुनाव में 88 फीसदी मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का इस्तेमाल

इस्तांबुल। तुर्किये में रविवार को हुए राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों में घरेलू स्तर पर 88 प्रतिशत और विदेशों में 45 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। यह जानकारी टीआरटी न्यूज चैनल ने अपनी रिपोर्ट में दी है। न्यूज चैनल के मुताबिक तुर्किये में 88.19 प्रतिशत पात्र मतदाताओं ने मत डाले, जबकि 73 देशों और सीमा चौकियों में 45.5 फीसदी वोटरों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। तुर्किये में राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव 14 मई को हुए हैं। तुर्किये के विपक्षी गठबंधन से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार केमल किलिकडारोग्लू को तुर्की के मौजूदा राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का मुख्य प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है। राष्ट्रपति चुनाव का दूसरा दौर (किसी भी उम्मीदवार को 50फीसदी वोट हासिल नहीं होने पर होगा) 28 मई को निर्धारित है।

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन को चुनाव में जीत की उम्मीद

अंकारा। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने कहा कि वह देश का राष्ट्रपति चुनाव अब भी जीत सकते हैं लेकिन अगर चुनाव दूसरे दौर में जाता है तो वह देश के फैसले का सम्मान करेंगे। अंकारा में समर्थकों से बातचीत में एर्दोआन ने कहा कि रविवार को हुए चुनाव के अनाधिकारिक नतीजे अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन उन्होंने ''स्पष्ट बढ़त मिलने'' का दावा किया। एर्दोआन ने सोमवार सुबह कहा, ''हमें अभी तक नहीं पता कि क्या चुनाव पहले दौर में ही समाप्त हो जाएगाज्अगर हमारा देश दूसरे दौर में जाने का फैसला करता है तो उसका भी स्वागत है।'' उन्होंने कहा कि विदेश में रह रहे तुर्किये के नागरिकों के मतों की अभी गणना नहीं की गयी है। करीब दो दशक से सत्ता में बने रहने वाले एर्दोआन को रविवार को हुए चुनाव में कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा। यह चुनाव मुख्यतः अर्थव्यवस्था, नागरिक अधिकार और फरवरी में आए भूकंप जैसे घरेलू मुद्दों पर ही केंद्रित रहा। अगर किसी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिलते हैं तो पहले दौर के शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच 28 मई को निर्णायक मुकाबला होगा।

मेक्सिको के उत्तरी क्षेत्र में मालवाहक ट्रक और वैन की भीषण टक्कर में 26 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। उत्तरी मेक्सिको में रविवार को एक राजमार्ग पर एक वैन और एक मालवाहक ट्रक की टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तरी सीमावर्ती राज्य तमौलिपास में अभियोजकों और पुलिस ने कहा कि मालवाहक ट्रक को खींचने वाला वाहन घटनास्थल पर नहीं मिला, जिससे पता चलता है कि चालक ने उसे मालवाहक ट्रेलर से अलग कर दिया होगा और वहां से भाग गया होगा। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना राज्य की राजधानी स्यूदाद विक्टोरिया के पास एक राजमार्ग पर हुई और कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मृतकों में से कई लोग एक ही परिवार के सदस्य हो सकते हैं जो कहीं से लौट रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की। मेक्सिको में पहले भी इस तरह की दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती रही हैं जिनके लिए अक्सर तस्करी से जुड़े ऐसे वाहनों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है जिन पर क्षमता से अधिक लोग सवार होते हैं।

चीन ने जासूसी के आरोपों में 78 वर्षीय अमेरिकी नागरिक को उम्रकैद की सजा सुनायी

बीजिंग। चीन ने जासूसी के आरोपों में सोमवार को अमेरिका के 78 वर्षीय नागरिक को उम्रकैद की सजा सुनायी। हांगकांग में स्थायी नागरिक का दर्जा रखने वाले जॉन शिंग-वान लेयुंग को दक्षिणपूर्वी शहर सुझोउ में 15 अप्रैल 2021 को हिरासत में लिया गया था। शहर की एक अदालत ने अपनी सोशल मीडिया वेबसाइट पर एक संक्षिप्त बयान में लेयुंग की सजा की घोषणा की लेकिन आरोपों की कोई जानकारी नहीं दी। ऐसी जांच और मुकदमे बंद कमरे में चलाए जाते हैं तथा इनके बारे में सार्वजनिक रूप से बहुत कम जानकारी दी जाती है। अमेरिका और चीन के बीच रिश्ते व्यापार, प्रौद्योगिकी, मानवाधिकारों और क्षेत्रीय दावों को लेकर बीजिंग की बढ़ती आक्रामकता के कारण ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं।

नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रायमाझी को कोर्ट में पेश किया गया

काठमांडू। मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री टोप बहादुर रायमाझी को आज (सोमवार) अदालत में पेश किया गया। रायमाझी को रविवार रात काठमांडू से गिरफ्तार किया गया था। सीपीएन (यूएमएल) सचिव रायमाझी पर फर्जी भूटानी शरणार्थियों के मामले में ठगी का आरोप है। उनके बेटे संदीप रायमाझी को पुलिस ने दो हफ्ते पहले गिरफ्तार किया था। इस घटना में शामिल पूर्व गृह मंत्री बालकृष्ण खांड को बयान के लिए लोक अभियोजक कार्यालय ले जाया गया है। नेपाली नागरिकों को फर्जी भूटानी शरणार्थी बताकर अमेरिका भेजने वाले गिरोह के नेटवर्क को तोड़ते हुए पुलिस ने हाई प्रोफाइल लोगों को गिरफ्तार किया है। अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जापान में किशिदा से मिलेंगे बाइडेनः व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जापान की यात्रा के दौरान यहां के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ गुरुवार को मुलाकात करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के एक कार्यक्रम में सोमवार को यह जानकारी दी गयी। जी7 शिखर सम्मेलन 19-21 मई तक जापान के हिरोशिमा में होगा। व्हाइट हाउस के कार्यक्रम के अनुसार, श्री बाइडेन गुरुवार को हिरोशिमा पहुंचेंगे और उस दिन श्री किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता करीन जीन-पियरे ने शुक्रवार को बताया था कि श्री बाइडेन बुधवार को जापान यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वह जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। सुश्री जीन-पियरे ने बताया कि श्री बाइडेन ऋण सीमा बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह की शुरुआत में कांग्रेस के नेताओं से मिलेंगे। श्री बाइडेन ने रविवार को डेलावेयर में संवाददाताओं से कहा कि वह मंगलवार को कांग्रेस के नेताओं से मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

राजद्रोह के आरोप में मुझे 10 साल जेल में रखने की योजना बना रहा पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान : इमरान

लाहौर (पाकिस्तान)। एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को दावा किया कि देश के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान ने उन्हें राजद्रोह के आरोप में अगले 10 साल तक जेल में रखने की योजना बनाई है। सोमवार तड़के सिलसिलेवार ट्वीट में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख ने कहा, ''तो अब लंदन की पूरी योजना सामने आ गई है। जब मैं जेल में था, तब हिंसा के बहाने उन्होंने न्यायाधीश, ज्यूरी और जल्लाद की भूमिका अपना ली। अब बुशरा बेगम (खान की पत्नी) को जेल में डाल कर और राजद्रोह कानून का इस्तेमाल करके अगले 10 साल तक जेल में रखकर मुझे अपमानित करने की योजना है।'' यह ट्वीट खान के लाहौर स्थित आवास पर पीटीआई नेताओं की बैठक के बाद आया है। सत्तर वर्षीय नेता 100 से अधिक मामलों में जमानत पर हैं। उन्होंने कहा, ''लोग कोई प्रतिक्रिया नहीं करें, यह सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने दो काम किए हैं ङ्क पहला जानबूझकर न सिर्फ पीटीआई कार्यकर्ताओं बल्कि आम नागरिकों को भी आतंकित किया गया। दूसरा, मीडिया पूरी तरह से नियंत्रित और दबा हुआ है।'' उन्होंने कहा कि इन ''अपराधियों'' द्वारा जिस तरह से 'चादर और चार दिवारी' की पवित्रता का उल्लंघन किया जा रहा है, वैसा कभी नहीं किया गया है। पाकिस्तान के लोगों को अपना संदेश देते हुए खान ने कहा, ''पाकिस्तान के लोगों के लिए मेरा यही संदेश है कि मैं अपने खून की आखिरी बूंद तक हकीकी आजादी के लिए लड़ूंगा क्योंकि मेरे लिए इन अपराधियों का गुलाम होने से मौत बेहतर है।'' खान ने शुक्रवार को जमानत मिलने के बावजूद फिर से गिरफ्तारी की आशंका से खुद को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) परिसर में घंटों बंद रखा था, हालांकि शनिवार को वह अपने लाहौर स्थित घर लौट आए।

थाईलैंड के आम चुनाव में सैन्य शासन विरोधी दो राजनीतिक दल बड़ी ताकत के रूप में उभरे

बैंकाक । एजेंसी

थाईलैंड के आम चुनाव में सैन्य शासन विरोधी विपक्षी दल बड़ी ताकत के रूप में उभर रहे हैं। इससे यह उम्मीद जगी है कि एक दशक से सत्ता पर काबिज सेना समर्थित सरकार की विदाई हो सकती है। थाइलैंड में रविवार को हुए आम चुनाव के बाद 99 प्रतिशत से अधिक वोटों की गिनती हो चुकी है। अब तक की मतगणना में विपक्षी पार्टियों, मूव फॉरवर्ड पार्टी और फेयु थाई पार्टी को सर्वाधिक सीटें मिली हैं। चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियों ने मतदाताओं से सैन्य शासन से मुक्ति दिलाने का वादा किया था। इस चुनाव में राजशाही अपमान कानून में सुधार और साफ-सफाई जैसे मुद्दे भी अहम रहे। संपूर्ण चुनाव परिणाम जारी होने में कुछ समय लग सकता है।

मतगणना के शुरुआती रुझानों से लग रहा है कि मूव फॉरवर्ड पार्टी को 400 में से 113 और फेयु थाई पार्टी को करीब 112 सीटों पर जीत मिल सकती है। 100 सीटों को पार्टियों को मिले वोट प्रतिशत के आधार पर वितरित किया जाएगा। फेयु थाई पार्टी देश की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक है। इसके संस्थापक अरबपति उद्योगपति थाकसिन शिनेवात्रा हैं। थाकसिन शिनेवात्रा एक बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उनकी रिश्तेदार यिंगलुक शिनेवात्रा भी देश की बागडोर संभाल चुकी हैं।

शक्तिशाली चक्रवात मोखा के कारण म्यांमा में बाढ़, पश्चिमी इलाके संचार से कटे, करीब 700 लोग घायल

ढाका। एजेंसी

शक्तिशाली तूफान मोखा के म्यांमा में दस्तक देने के बाद देश के पश्चिमी तट के पास के इलाकों में 12 फुट तक समुद्र का पानी भर जाने के कारण वहां फंसे करीब 1,000 लोगों को सोमवार को बचावकर्मियों ने निकाला। चक्रवात के कारण म्यांमा के इस हिस्से में संचार संपर्क कट गया है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। हालांकि चक्रवात से हुई क्षति और मृतकों की संख्या अभी ज्ञात नहीं है। सितवे में 'रखाइन यूथ्स फिलांथ्रोपिक एसोसिएशन' के एक नेता ने नाम नहीं जाहिर करने का अनुरोध करते हुए बताया कि तेज हवाएं चलने के कारण हुई घटनाओं में 700 से अधिक लोग घायल हो गए और करीब 20,000 लोगों ने सितवे में मठों, पैगोडा और स्कूलों जैसे स्थानों पर शरण ली है। उन्होंने बताया कि रविवार को चक्रवात मोखा के रखाइन राज्य में दस्तक देने के बाद तटीय क्षेत्र में निचले इलाकों में समुद्र का पानी घुस आया है। निवासी घरों की छतों पर और ऊपरी मंजिलों पर शरण लिए हुए हैं जबकि तेज हवाओं और आंधी के कारण तत्काल बचाव कार्य में बाधा आ रही है। बचाव समूह के नेता ने कहा, ''कल शाम चार बजे तूफान थोड़ा कमजोर हुआ था लेकिन पानी नीचे नहीं उतरा। अधिकतर लोगों ने छतों पर और अपने मकान की ऊपरी मंजिल पर रहकर रात बिताई। पूरी रात तेज हवाएं चलती रहीं।'' उन्होंने बताया कि बाढ़ वाले इलाकों में सोमवार को सुबह तक करीब पांच फुट पानी भरा रहा, लेकिन हवाओं के शांत होने और सूरज निकलने के बाद बचाव कार्य जारी रहा। उन्होंने नागरिक संगठनों और अधिकारियों से सहायता भेजने और निवासियों को वहां से निकालने की अपील की। इससे पहले चक्रवात के कारण म्यांमा में तीन लोगों की मौत होने और पड़ोसी बांग्लादेश में कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। हालांकि बांग्लादेश इस चक्रवात के असर से काफी हद तक बच गया है। म्यांमा के मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात मोखा के कारण रविवार दोपहर रखाइन राज्य में सितवे कस्बे के पास 209 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तूफान पहले बांग्लादेश के सेंट मार्टिन द्वीप से गुजरा, जिससे वहां काफी क्षति हुई और कई लोग हताहत हुए। इससे पहले दिन में तेज हवाओं के कारण कई मोबाइल टावर टूट गए, जिससे अधिकांश क्षेत्र में संचार संपर्क टूट गया। रखाइन में मीडिया की खबरों में कहा गया है कि चक्रवात के प्रभाव से हुई बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया जिससे निचले इलाकों में लोग अपने घरों में फंस गए। म्यांमा के सैन्य सूचना कार्यालय ने कहा कि तूफान ने सितवे, क्यौकप्यू और ग्वा कस्बों में घरों, बिजली के ट्रांसफार्मर, सेल फोन टावरों, नावों और लैम्पपोस्ट को नुकसान पहुंचाया है। इसने कहा कि तूफान के कारण देश के सबसे बड़े शहर यांगून से लगभग 425 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में कोको द्वीप पर खेल परिसरों की छतें भी गिर गई हैं।

सितवे में आश्रय स्थलों में सहायता कार्य कर रहे टिन नयेन ओ ने कहा कि 3,00,000 लोगों की आबादी वाले सितवे में 4,000 से अधिक लोगों को दूसरे शहरों से लाया गया है और 20,000 से अधिक लोगों ने मठों, पैगोडा और शहर के ऊंचाई वाले इलाकों में स्थित स्कूलों जैसी मजबूत इमारतों में आश्रय लिया है। एक स्थानीय चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष लिन लिन ने कहा कि अपेक्षा से अधिक लोगों के आने के बाद सितवे में आश्रय स्थलों में पर्याप्त भोजन नहीं है। म्यांमा में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रतिनिधि टिटन मित्रा ने ट्वीट किया, ''मोखा ने दस्तक दे दी है। 20 लाख लोग खतरे में हैं। नुकसान और क्षति व्यापक होने की आशंका है। हम इससे निपटने के लिए तैयार हैं और सभी प्रभावित समुदायों तक निर्बाध सहायता पहुंचाने की आवश्यकता होगी।'' म्यांमा में रविवार को तेज हवाओं और बारिश के कारण कई लोगों के मारे जाने की सूचना मिली। चक्रवात मोखा के मार्ग में आए बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में अधिकारियों ने पहले कहा था कि उन्होंने हजारों लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया। ढाका में बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक अजीजुर रहमान ने कहा, ''हालांकि दोपहर तक ऐसा प्रतीत हुआ कि तूफान पूर्व की ओर बढ़ गया और देश का अधिकतर हिस्सा इससे अछूता रहा।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''बांग्लादेश में जोखिम का स्तर काफी हद तक कम हो गया है।''

यूक्रेन के कई क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी

कीव। यूक्रेन के कई क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी दी गयी। देश के डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। जारी विज्ञप्ति के अनुसार सोमवार तड़के यूक्रेन के निप्रॉपेट्रोस, सुमी, पोल्टावा, मायकोलाइव और खार्किव के क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी दी गयी थी। इससे पहले, रविवार सुबह पूरे यूक्रेन में हवाई हमले के सायरन बजने लगे और कीव-नियंत्रित हिस्सों के यूक्रेनी क्षेत्रों सुमी, टेरनोपिल और खेरसॉन में विस्फोटों की गूंज सुनाई दी। गौरतलब है कि क्रीमिया ब्रिज पर आतंकवादी हमले के दो दिन बाद यानी कि 10 अक्टूबर से रूस ने यूक्रेन के बुनियादी ढांचे के खिलाफ सटीक हमले किए हैं। फरवरी में, यूक्रेनी पावर ग्रिड ऑपरेटर उक्रेनगों के प्रमुख ने कहा था कि रूसी हमलों से यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को करोड़ों डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिसमें अरबों डालर का आर्थिक नुकसान हो सकता है।

थाइलैंड में आम चुनाव में विपक्षी दलों को बड़ी जीत

बैंकॉक। एजेंसी

थाइलैंड के मुख्य विपक्षी दलों ने रविवार को हुए आम चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। इसे 2014 के तख्तापलट के जरिये मौजूदा प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओचा के सत्ता में आने के नौ साल बाद बदलाव के एक अहम मौके के रूप में देखा जा रहा है।

सुबह तक 99 प्रतिशत मतों की गिनती के साथ विपक्षी दल 'मूव फॉरवर्ड पार्टी' ने एक अन्य विपक्षी दल 'फेयु थाई पार्टी' पर छोटी-सी बढ़त हासिल कर ली है। हालांकि, कहा नहीं जा सकता कि रविवार को हुए चुनाव का विजेता सरकार बना पाएगा। नए प्रधानमंत्री के चयन के लिए जुलाई में 500 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा और 250 सदस्यीय सीनेट का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा। इस प्रक्रिया को व्यापक रूप से अलोकतांत्रिक माना जाता है क्योंकि सीनेटर का चयन सेना द्वारा किया जाता है। रविवार को हुए मतदान में करीब 75 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं ने वोट डाले। मूव फॉरवर्ड पार्टी ने प्रतिनिधि सभा के लिए 24 प्रतिशत से कुछ अधिक मत हासिल किए जबकि फेयु थाई पार्टी ने 23 प्रतिशत मत हासिल किए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मूव फॉरवर्ड पार्टी ने 113 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि फेयु थाई पार्टी ने 112 सीटों पर जीत हासिल की है। निवर्तमान प्रधानमंत्री प्रयुत चान ओचा की 'यूनाइटेड थाई नेशनल पार्टी' करीब नौ प्रतिशत मत पाने के साथ ही पांचवें स्थान पर है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में तीन दलों के नयी सरकार का नेतृत्व करने की संभावना जतायी गयी थी। पूर्व अरबपति प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा की 36 वर्षीय बेटी पेतोंगतार्न शिनवात्रा को चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में ज्यादातर लोगों ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में देखने की इच्छा जतायी थी। सेना ने 2006 में तख्तापलट कर थाकसिन को सत्ता से बेदखल कर दिया था। उनकी रिश्तेदार यिंगलुक शिनवात्रा 2011 में प्रधानमंत्री बनी थीं, लेकिन प्रयुत की अगुवाई में तख्तापलट कर उन्हें सत्ता से हटा दिया गया था। फेयु थाई पार्टी ने 2019 के चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीती थीं, लेकिन उसकी चिर प्रतिद्वंद्वी एवं सेना समर्थित पलांग प्रचारत पार्टी ने प्रयुत के साथ गठबंधन कर लिया था। अब मूव फॉरवर्ड के नेता 42 वर्षीय कारोबारी पिटा लिमजारोएनरत भी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार दिखायी देते हैं। प्रधानमंत्री प्रयुत पर लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था, महामारी से निपटने में रही खामियों को दूर न कर पाने और लोकतांत्रिक सुधारों को विफल करने का आरोप है।

सूडान ने विद्रोही अर्धसैनिकों के बैंक खाते किये सीज

काहिरा। सूडान में जनरल अब्दुल फतेह बुरहान के नेतृत्ववाले संक्रमणकालीन प्रशासन ने द पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (पीआरएसएफ) से संबंधित बैंक खातों को सीज करने का आदेश दिया है। यह आदेश रविवार को दिये गये। पीआरएसएफ मध्य अप्रैल से सूडान की सेना के संघर्ष कर रही है। पीआरएसएफ की ओर से बजटीय रकम की चिंता का हवाला देते हुए एक बयान में कहा गया, अब्दुल फतेह बुरहान ने आज विद्रोही रैपिड सपोर्ट फोर्सेज और उनकी कंपनियों के सभी सूडानी बैंकों तथा उनके विदेशों में स्थित शाखाओं के खातों को सीज करने का फैसला किया। सूडान की सरकार की ओर से यह फैसला मीडिया की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें कहा गया था

सुनक ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का ब्रिटेन में किया स्वागत

लंदन। एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की का स्वागत किया और युद्धग्रस्त यूरोपीय राष्ट्र के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। ब्रिटेन चौथा यूरोपीय देश है जिसकी पिछले कुछ दिन में जेलेंस्की ने यात्रा की है। जर्मनी और इटली की यात्रा के बाद उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलने के लिए रविवार को पेरिस की एक अघोषित यात्रा की थी। जर्मनी और इटली की यात्रा के दौरान उन्होंने देश के वरिष्ठ नेताओं और पोप फ्रांसिस से मुलाकात की थी। डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटेन में प्रधानमंत्री आवास) के अनुसार, जेलेंस्की सप्ताहांत में यूरोपीय नेताओं के साथ उनकी बैठकों के बारे में सुनक को जानकारी देंगे। यह यात्रा आइसलैंड में काउंसिल ऑफ यूरोप समिट से पहले हो रही है। जापान में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए तोक्यो की यात्रा से पहले सुनक इस सप्ताह आइसलैंड जाएंगे। सुनक ने कहा, यह, भयावह युद्ध में यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण क्षण है.. (ऐसा युद्ध) जिसके लिए उन्होंने नहीं उकसाया। उन्हें अंधाधुंध हमलों से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के निरंतर समर्थन की जरूरत है जो (हमले) एक वर्ष से अधिक समय से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी की वास्तविकता रहे हैं। सुनक ने कहा, हमें उन्हें निराश नहीं करना चाहिए।

(रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन के युद्ध की सीमाएं भले ही यूक्रेन तक सीमित हो सकती हैं, लेकिन इसके परिणाम पूरी दुनिया में दिखेंगे। यह सुनिश्चित करना हमारे हित में है कि यूक्रेन सफल हो और पुतिन की बर्बरता नाकाम हो।%% डाउनिंग स्ट्रीट के अनुसार, सुनक आइसलैंड और जापान की अपनी यात्रा के दौरान सैन्य सहायता तथा दीर्घकालिक सुरक्षा आश्वासन दोनों के संदर्भ में यूक्रेन को निरंतर अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाने के लिए काम करेंगे।

चीन के आक्रामक बर्ताव तथा यूक्रेन पर रूसी आक्रमण जैसे मुद्दों के जी7 में प्रमुखता से उठने की उम्मीद

तोक्यो। एजेंसी

दुनिया की सात विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले समूह जी7 के इस सप्ताह होने जा रहे शिखर सम्मेलन में आठ अन्य अतिथि देश भी हिस्सा लेगें। इस शिखर सम्मेलन में चीन के आक्रामक बर्ताव तथा यूक्रेन पर रूस के आक्रमण जैसे मुद्दों के प्रमुखता से उठने की उम्मीद है । जी7 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता जापान कर रहा है और जापान के प्रधानमंत्री फूमिओ किशिदा ने दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, भारत, ब्राजील, वियतनाम, इंडोनेशिया, कोमोरोस तथा कुक द्वीपसमूहों को इसमें आमंत्रित किया है। विश्लेषकों के अनुसार किशिदा को उम्मीद है कि ये देश चीन के आक्रामक बर्ताव तथा यूक्रेन पर रूस के आक्रमण जैसे गंभीर मुद्दों पर बात करेंगे। वह अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ ही विकासशील देशों के साथ भी मजबूत संबंध चाहते हैं तथा परमाणु हथियार मुक्त दुनिया बनाने की दिशा में भी प्रगति चाहते हैं। लेकिन उत्तर कोरिया और रूस जैसे देशों से बढ़ते परमाणु खतरों के मद्देनजर ये मुश्किल प्रतीत होता है। जी7 में अमेरिका,जापान, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, इटली और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इन देशों के शीर्ष राजनयिक पिछले माह नगानो में एक बैठक में शामिल हुए थे। सियोल के इवहा विश्विद्यालय में प्रोफेसर लीफ एरिक एस्ले ने कहा, ''जी7 अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध है साथ ही रूस के आक्रमण के बीच यूक्रेन को समर्थन करना उनकी शीर्ष प्राथमिकता है।'' इस शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले अतिथि देशों के चीन और रूस के साथ जटिल राजनीतिक तथा आर्थिक संबंध है। भारत चार देशों के समूह (क्वाड) का सदस्य है, इसमें भारत के अलावा अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन ने इस समूह पर ''एशियाई नाटो''के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के दौरान भारत ने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों पर मतदान में भाग नहीं लिया था, हालांकि उसने बातचीत के जरिए समस्या को हल करने पर हमेशा जोर दिया है।

अफगानिस्तान में मानवीय संकट तेज, संयुक्त राष्ट्र की ओर से 40 मिलियन डॉलर की मदद, लोग भुखमरी की कगार पर

संयुक्त राष्ट्र। एजेंसी

अफगानिस्तान का सेंट्रल बैंक, द अफगानिस्तान बैंक (डीएबी) ने रविवार को घोषणा की कि देश में चल रहे मानवीय संकट के बीच देश को 40 मिलियन डॉलर की सहायता मिली है. बैंक ने कहा कि बीते चार दिनों में काबुल को मिला यह दूसरा नकद पैकेज है. अगस्त 2021 में जब तालिबान ने काबुल की सत्ता पर कब्जा किया है, अफगानिस्तान की स्थिति दयनीय होती जा रही है. अफगानिस्तान में लोग खाने को तरस रहे हैं. बेरोजगारी चरम पर है. खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक ने घोषणा की कि एक संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता गुरुवार (11 मई) को काबुल पहुंची थी, और उसे एक निजी वाणिज्यिक बैंक में रखी गई थी. संयुक्त राष्ट्र की मानवीय मौद्रिक सहायता के हिस्से के रूप में अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक द्वारा इसका स्वागत किया गया, और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से सभी क्षेत्रों में एक साथ काम करना जारी रखने का आग्रह किया है. हालांकि, इस सहायता राशि का उपयोग हमेशा एक विवादास्पद मुद्दा रहा है. सहायता राशि देने वाले राष्ट्र, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसके उपयोग की जांच करने से परहेज किया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश विभाग ने पहले अफगानिस्तान को अमेरिकी भुगतान के संबंध में खुलासा करने से इनकार कर दिया था, और अफगानिस्तान पुनर्निर्माण के लिए विशेष महानिरीक्षक (एसआईजीएआर) ने पहले बताया था कि अफगानिस्तान को अमेरिका द्वारा दी गई सहायता राशि के बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है. दूसरी ओर, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि अफगानिस्तान को सहायता राशि के रूप में दिया जा रहा पैसा एक वाणिज्यिक बैंक में संयुक्त राष्ट्र के खातों में रखा जाता है और इसका उपयोग केवल संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा मानवीय सहायता और युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में अन्य सहायक कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा. वर्षों के संघर्ष, गरीबी और गिरती अर्थव्यवस्था ने इस युद्ध प्रभावित देश में आम लोगों को भीषण भूख और भोजन की कमी का शिकार होने के लिए मजबूर कर दिया है. 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से ही लाखों लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं. अर्थव्यवस्था काफी गिर गई है. तालिबान सरकार को अभी तक दुनिया के अधिकतर देशों से मान्यता नहीं मिल पाई है जिसके कारण दूसरे देश सीधे तौर पर अफगानिस्तान की मदद भी नहीं कर पा रहे हैं।

गहलोत के बयान से बैक फुट पर वसुंधरा

रमेश सर्राफ धमोरा

मुख्यमंत्री गहलोत के बयान के बाद माउंट आबू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में वसुंधरा राजे उनके बगल की सीट पर बैठी थी। इसके बावजूद भी ना तो उनकी प्रधानमंत्री से कोई विशेष चर्चा हुई और ना ही उनको जनसभा को संबोधित करने का मौका दिया गया। जबकि प्रधानमंत्री से पहले प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने जनसभा को संबोधित किया था। इन सब बातों से लगता है कि आने वाला समय वसुंधरा राजे के लिए राजनीतिक रूप से कुछ अच्छा नहीं रहने वाला है। उन्हें समय रहते अपनी गहलोत समर्थक छवी को तोड़ना होगा तभी वह राजनीति के मैदान में आगे बढ़ पाएगी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से अपने संबंधों को लेकर खुलासा क्या किया वसुंधरा राजे चुनाव से पहले ही परेशान नजर आने लगी है। राजस्थान में पिछले 25 वर्षों से एक बार अशोक गहलोत तो दूसरी बार वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनते आ रहें है। इस बार वसुंधरा राजे फिर मुख्यमंत्री बनना चाहती है। मगर अशोक गहलोत ने बयान देकर उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया है।

हाल ही में धौलपुर जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुलासा किया था कि 2020 में सचिन पायलट द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ बगावत करने के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व उनके समर्थक विधायकों ने सहयोग कर उनकी सरकार को गिरने से बचाया था। गहलोत ने कहा था कि धौलपुर से भाजपा विधायक शोभा रानी कुशवाहा ने तो राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद तिवारी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर खुले आम पार्टी नेतृत्व की अनदेखी की थी। शोभा रानी कुशवाहा वसुंधरा समर्थक विधायक मानी जाती रही है। इसके साथ ही गहलोत ने वसुंधरा समर्थक माने जाने वाले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल का भी नाम लिया था।

विधानसभा में बजट पास करवाने के दौरान मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रदेश में 17 नए जिले बनाने की घोषणा की थी। जिसमें उन्होंने कैलाश मेघवाल के विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा को भी जिला बनाया है। विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कैलाश मेघवाल को शाहपुरा के जिला बनने पर बधाई देते हुए कहा था कि आप की मांग पूरी कर दी गई है। उस समय भी गहलोत के बयान की काफी चर्चा हुई थी तथा भाजपा बैकफुट पर आ गई थी।

राजस्थान की राजनीति में लोगों की धारणा रही है कि अंदर खाने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मिले हुए हैं। इसी के चलते जब कांग्रेस की सरकार बनती है तो अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बन जाते हैं और जब भाजपा की सरकार बनती है तो वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बन जाती है। मुख्यमंत्री पद पर रहते दोनों नेता एक दूसरे के हितों का ख्याल रखते हैं तथा जरूरत पड़ने पर मदद भी करते हैं।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल तो खुलकर यह आरोप लगाते रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से कांग्रेस नेता सचिन पायलट भी

गहलोत को पत्र लिखकर वसुंधरा सरकार के दौरान हुए घोटालों की जांच की मांग कर रहे हैं। मगर मुख्यमंत्री गहलोत ने पायलट की मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं की। जबकि एक माह पूर्व सचिन पायलट अपनी इसी मांग को लेकर जयपुर में एक दिन का धरना भी दिया था। इसके बाद पायलट ने इसी मांग को लेकर 5 दिनों तक अजमेर से जयपुर तक 125 किलोमीटर की जन संघर्ष पदयात्रा भी की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा वसुंधरा राजे को लेकर किए गए खुलासे के बाद वसुंधरा राजे अपनी ही पार्टी के नेताओं पर के निशाने पर आ गई है। राजस्थान में वसुंधरा विरोधी खेमे के नेता गहलोत के बयान को लेकर मुखर हो रहे हैं। उनका कहना है कि वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के दम पर ही गहलोत बेखौफ होकर सरकार चला रहे हैं। राजस्थान में पिछले राज्यसभा चुनाव के दौरान कई वसुंधरा समर्थक विधायकों को मतदान से पहले गुजरात भेजा गया था। ताकि वह गहलोत के प्रभाव में आकर क्रास वोटिंग नहीं कर सकें।

हालांकि राजस्थान भाजपा में वसुंधरा राजे सबसे बड़े कद के नेता मानी जाती है। दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री, तीन बार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तथा केंद्र में मंत्री रहने के कारण उनका पूरे प्रदेश में व्यापक जनाधार माना जाता है। पिछले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री रहते वसुंधरा राजे को अपने ही राजपूत समाज के विरोध का सामना करना पड़ा था। राजपूत समाज के लोगों की गैंगस्टर आनंदपाल सिंह के एनकाउंटर करने को लेकर वसुंधरा राजे सरकार से गहरी नाराजगी थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में राजपूत समाज ने कांग्रेस को वोट देकर जिताया था। उस समय चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भीड़ से वसुंधरा तेरी खैर नहीं मोदी तुम से बैर नहीं के नारे लगते थे। जो चुनावी परिणाम में सही साबित भी हुए थे। वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके नेतृत्व में लड़े गए 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 163 सीटों से सीमट का 73 सीटों पर पहुंच गई थी। उसके कुछ महीने बाद ही हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पिछले कुछ समय से वसुंधरा राजे व उनके समर्थक विधायक भाजपा आलाकमान पर लगातार दबाव बना रहे थे कि वसुंधरा को नेता घोषित कर उनके नेतृत्व में ही अगला विधानसभा चुनाव लड़ा जाए। वसुंधरा राजे के विरोध के चलते ही डॉक्टर सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाया गया था। पार्टी के नेताओं को भी लगने लगा था कि वसुंधरा राजे के बिना विधानसभा चुनाव जितना मुश्किल होगा। ऐसे में ऐसे में उन्हें चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाएगी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान ने वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों के पूरे मंसूबों पर पानी फेर दिया। अब वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों की स्थिति ना निगलते बन रही है ना उगलते बन रही है वाली हो गई है। आम जनता में भी गहलोत के बयान से वसुंधरा राजे के प्रति नकारात्मकता पैदा हुई है। 2018 में विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कांग्रेस के नेता सत्ता में आने पर वसुंधरा राजे सरकार द्वारा किए गए हजारों करोड़ के भ्रष्टाचार की जांच करवाने की बातें कहते थे। मगर सरकार बनने के बाद वसुंधरा राजे के खिलाफ किसी भी तरह की कोई जांच नहीं की गई। इससे लोगों को विश्वास हो गया कि अशोक गहलोत वसुंधरा राजे आपस में मिले हुए हैं। राजस्थान विधानसभा के चुनाव में कुछ महीनों का ही समय रह गया है। ऐसे में मौके की नजाकतता को भांपकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी चाल चल दी है। गहलोत को पता है कि वसुंधरा राजे के नेतृत्व में चुनाव लड़ने पर भाजपा का पलड़ा भारी रह सकता है। इसीलिए उन्होंने बड़े सलीके से वसुंधरा राजे को ठिकाने लगा दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत फिर से राज बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। उनका पूरा प्रयास है कि इस बार प्रदेश में हर पांच साल बाद सत्ता बदलने के रिवाज को बदला जाए। इसीलिए वह अपनी सधी हुई चाले चल रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने पहले पार्टी में सचिन पायलट को किनारे लगा कर पार्टी के एकछत्र नेता बन गए। अब विपक्ष की मजबूत नेता वसुंधरा राजे के खिलाफ बयान देखकर उनको भी संदिग्ध बना दिया है। मुख्यमंत्री गहलोत के बयान के बाद माउंट आबू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में वसुंधरा राजे उनके बगल की सीट पर बैठी थी। इसके बावजूद भी ना तो उनकी प्रधानमंत्री से कोई विशेष चर्चा हुई और ना ही उनको जनसभा को संबोधित करने का मौका दिया गया। जबकि प्रधानमंत्री से पहले प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने जनसभा को संबोधित किया था। इन सब बातों से लगता है कि आने वाला समय वसुंधरा राजे के लिए राजनीतिक रूप से कुछ अच्छा नहीं रहने वाला है। उन्हें समय रहते अपनी गहलोत समर्थक छवी को तोड़ना होगा तभी वह राजनीति के मैदान में आगे बढ़ पाएगी।

संपादकीय

बहुरंगा जनादेश

निस्संदेह, यह भारतीय लोकतंत्र के परिवक्व होने का संदेश है कि एक ही दिन में उसने अलग-अलग राज्यों में अलग तरह का जनादेश देकर साबित किया कि सताधीश उसे अपनी बपौती मानकर न चलें। जहां कर्नाटक में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल करके भाजपा के दक्षिण के द्वार पर अवरोधक लगा दिया है। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में निकाय चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है। उ.प्र. में मुख्यमंत्री योगी की साधना सफल हुई है और पार्टी की अप्रत्याशित जीत से भाजपा में उनका कद बढ़ा है। दूसरी ओर पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट के उप चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस की परंपरागत सीट पर कब्जा करके भविष्य की राजनीति में बदलावकारी घटक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। निस्संदेह, राज्य की सत्ता में रहने का लाभ आप को मिला है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत व भाजपा की हार के सौ कारण बताये जा सकते हैं। लेकिन इतना तय है कर्नाटक की जनता ने राज्य में भाजपा के शासन को नकारा है। भले ही कांग्रेस करिश्माई नेतृत्व की कमी से जूझ रही हो, लेकिन इस बात का श्रेय इस दल को दिया जाना चाहिए कि वह भारत की विविधता की संस्कृति को स्वीकारती है। यह भी सर्वविदित है कि कर्नाटक कांग्रेस का हमेशा से गढ़ रहा है। एक निश्चित प्रतिशत जनादेश उसके हिस्से में हमेशा रहा है। वैसे तो भाजपा का जनादेश पिछले चुनाव के जनादेश के प्रतिशत के ही अनुरूप है, लेकिन जो निर्णायक वोट प्रतिशत है उसे हासिल करने में कांग्रेस सफल रही है। जो जेडीएस के हिस्से का वोट था। अच्छी बात यह है कि कर्नाटक की जनता ने ध्रुवीकरण की राजनीति को नकारा है। यह बात अलग है कि राज्य में मुस्लिम आरक्षण को खत्म करने से तिलमिलाए मुस्लिम मतदाताओं ने एकजुटता से वोट देकर कांग्रेसी जीत की राह को सुनिश्चित किया है। बहरहाल बजरंग दल पर प्रतिबंध समेत अन्य मुद्दों को लेकर भाजपा ने बहुसंख्यकों के ध्रुवीकरण की जो कोशिश की थी, वो सिरे नहीं चढ़ पायी। यह कहना मुश्किल है कि कांग्रेस ने भी चुनाव में पूरी तरह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का पालन किया। अगर भाजपा ने मुस्लिम आरक्षण खत्म करने को वोट पाने का मुद्दा बनाया तो कांग्रेस ने भी उसकी बहाली को चुनावी मुद्दा बनाया। फिर भाजपा की तर्ज पर भी कांग्रेसी नेता धार्मिक स्थलों पर खूब शीष नवाते नजर आये हैं। बहरहाल, कर्नाटक के इन चुनाव परिणामों ने भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में जहां कई तरह के निष्कर्ष दिये हैं, वहीं कई सवालों को भी जन्म दिया है। निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों को लेकर राहुल गांधी की राजनीतिक नेतृत्व की सर्वमान्य स्वीकार्यता को लेकर भी चर्चा होगी। यह भी कहा जायेगा कि राहुल गांधी की पदयात्रा इस जीत की ऊर्जा बनी है। हमें यह नहीं भूलना होगा कि कर्नाटक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गृह राज्य है। खड़गे के राज्य से होने का लाभ मिला और स्थानीय भाषा में वे मतदाताओं को पार्टी की बात समझाने में कामयाब हुए। फिर वे उस वंचित वर्ग से आते हैं, जिसको भाजपा ने प्राथमिकता नहीं बनाया। भाजपा सिर्फ दो बड़े जातीय समूहों को आकर्षित करने को प्राथमिकता देती रही है, जो राज्य की राजनीति में वर्चस्व रखते हैं। वैसे राज्य में कांग्रेस की वापसी के लिये प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के अथक प्रयासों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे लंबे समय से पदयात्रा और जमीनी कार्यक्रमों के जरिये ग्रासरूट पर काम करते रहे। उनकी मुख्यमंत्री पद के लिये दावेदारी का आधार तार्किक कहा जा सकता है। राज्य में कांग्रेस सरकार के नेतृत्व तय करने में हुआ कुछ विलंब इन्हीं महत्वाकांक्षाओं के टकराव की देन है। बहरहाल, राज्य में कांग्रेस के लिये चुनौतियां भी कम नहीं हैं।

कर्नाटक चुनाव में नहीं चला, हिंदुत्व का फामूर्ला

सनत जैन

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। पिछले 8 वर्षों से कर्नाटक में हिंदुत्व की विचारधारा और हिंदुओं को एकजुट करने के लिए, कर्नाटक में टीपू सुल्तान और हिन्दुत्व को लेकर सुनियोजित रूप से, पिछले 8 वर्षों से अभियान चलाया जा रहा था। जिसमें टीपू सुल्तान ने आठ सौ से ज्यादा हिंदुओं की हत्या की है। टीपू सुल्तान दुर्दांत हत्यारा था। श्रीरंगपट्टनम में हनुमान मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई है। कर्नाटक में हिजाब और अन्य तरीके से मुस्लिमों के खिलाफ एक वातावरण बनाया गया। हिंदुओं को एकजुट करने के लिए बड़े पैमाने पर पिछले 8 वर्षों में प्रयास किए गए। जामा मस्जिद में पुराना हनुमान मंदिर मानकर, वहां पूजा पाठ भी शुरू कर दी गई थी। जिसके कारण कर्नाटक में धार्मिक आधार पर बड़ा ध्रुवीकरण करने की तैयारी की गई थी। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। धार्मिक ध्रुवीकरण को कर्नाटक के मतदाताओं ने पसंद नहीं किया। जिन-जिन क्षेत्रों में विवाद पैदा किया गया था। वहां पर भाजपा के उम्मीदवार इस चुनाव में बुरी तरह से हारे। मलयकोट में भाजपा उम्मीदवार की जमानत जप्त हो गई। अन्य स्थानों पर भी मतदाताओं ने भाजपा के उम्मीदवारों को हराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। कर्नाटक के मतदाता सामाजिक सद्भाव को लेकर ज्यादा सजग थे। चुनाव परिणाम से स्पष्ट हो गया है, कि कर्नाटक सहित दक्षिण के राज्यों में हिंदुत्व का मुद्दा, चुनाव जिताने का कारण नहीं बन सकता है। जैसा कि उत्तर भारत के राज्यों में बना था। टीपू सुल्तान द्वारा मलयकोट में 800 से ज्यादा हिंदुओं के नरसंहार को लेकर पिछले 8 वर्षों में धार्मिक ध्रुव्रीकरण कयो लेकर जबरदस्त माहौल बनाया गया था। यहां से दर्शन पुतैनैया कांग्रेस के उम्मीदवार थे। इन्हें यहां से 49.97 फीसदी, 91151 वोट मिले। वहीं इसी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के इंद्रेश कुमार को मात्र 3 फीसदी, 6470 वोट मिले। इनकी जमानत जप्त हो गई। इसी तरह श्रीरंगपट्टनम में जामा मस्जिद का मामला पिछले 8 वर्षों से तूल पकड़ रहा था। इस जामा मस्जिद की देखरेख पुरातत्व विभाग कर रहा है। यहां पर कहा गया कि हनुमान मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी। हिंदू संगठनों द्वारा यहां पूजा पाठ भी शुरू कर दी गई थी। यहां पर नमाज बंद करने का आंदोलन चलाया गया। विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के रमेश गौड़ा को यहां से 72817 वोट 39.92 फीसदी मत प्राप्त हुए। वहीं भाजपा के एस सच्चिदानंद को 42000 वोट 22.84 फीसदी प्राप्त हुए रामनगर में भव्य राम मंदिर बनाने का आंदोलन चलाया जा रहा था। इस प्राचीन मंदिर को भव्य राम मंदिर बनाने के लिए कर्नाटक सरकार ने 40 लाख रुपए का बजट भी दिया। इस विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के इकबाल हुसैन को 87690 मत 47.96 फीसदी वोट प्राप्त हुए हैं। भाजपा के उम्मीदवार गौतम घोड़ा को मात्र 12912 वोट 7.07 फीसदी मत प्राप्त हुए। इनकी भी करारी पराजय हुई है। कर्नाटक के माइनिंग टायकून जनार्दन रेड्डी के भाई सोमशेखर रेडी, भाजपा की टिकट पर खड़े हुए थे। यह भी तीसरे नंबर पर आए। इन्हें मात्र 37155 वोट मिले। यहां से भी कांग्रेस उम्मीदवार ने जीत दर्ज कराई है। कर्नाटक चुनाव में इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि का असर होता हुआ नहीं दिखा है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान 91 बार गालियां देने की बात करके, मतदाताओं की सहानुभूति अर्जित करने की कोशिश की। जो निष्फल साबित हुई। प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री इतने शक्तिशाली हैं, इसके बाद भी वह जनता की समस्याओं की लिस्ट नहीं बना रहे हैं, गालियों की लिस्ट बना रहे हैं। इसने मतदाताओं को ज्यादा प्रभावित किया। इसी तरह बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात को बजरंगबली से जोड़कर हिंदुत्व की लहर पैदा करने की कोशिश की गई। उसका भी उल्टा असर हुआ। आम जनता के बीच में बजरंग दल की अलग छवि है। बजरंगबली की, भगवान के रूप में छवि है। इन सब बातों में गौर करने पर दक्षिण के राज्यों में हिंदुत्व को लेकर भाजपा अपना जनाधार बनाना चाहती थी। उसमें वह विफल साबित हुई है। केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सक्रिय है। तमिलनाडु में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं। किंतु दक्षिण के राज्यों में कहीं पर भी हिंदुत्व के मुद्दे पर ध्रुव्रीकरण नहीं हो पा रहा है। यह चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने भी लोगों की सोच को बदलने का काम किया है। मोहब्बत और नफरत की बातें अब आम आदमी भी समझने लगा है। सत्ता के खेल को भी अब आम आदमी समझ रहा है। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में दो बातें स्पष्ट हो गई। हिंदुत्व का कार्ड दक्षिण के राज्यों में नहीं चलेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिंदू सम्राट के रूप में मतदाताओं में जो विश्वास था, वह भी डगमगाने लगा है। लोगों को जीवन यापन में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी अब धर्म से भारी पड़ रही है। भाजपा को लोकसभा चुनाव जीतने के लिए अब नई रणनीति तैयार करना होगी। अन्यथा धार्मिक ध्रुवीकरण के बल पर जो हो सकता था, वह हो चुका है। काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है। इस वास्तविकता को समझने की जरूरत है।

आखिर क्यों बरकरार रहा उप्र निकाय चुनाव में योगी मैजिक

आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले हरेक विधनासभा और नगर निगम चुनाव पर सारे देश की निगाहें रहने वाली हैं। इस परिप्रेक्ष्य में कर्नाटक विधानसभा और उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव का नतीजा देखना होगा। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी को निराशा हाथ लगी लेकिन उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव ने पार्टी को जश्न मनाने का पूरा मौका दिया है। अभी देश में सिर्फ और सिर्फ कर्नाटक चुनाव की ही चर्चा हो रही है । जबकि, उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव में कर्नाटक में जितने मतदाताओं ने भाग लिया उससे कहीं ज्यादा मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया । अतः मैं तो आज उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव की ही चर्चा करूंगा ।

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व जीत हासिल करते हुए सभी 17 नगर निगम में अपना परचम लहराया है। इसके अतिरिक्त सभी अन्य निकाय में भाजपा का प्रदर्शन अत्यंत ही प्रभावशाली रहा है । सपा, कांग्रेस और बसपा का सूपड़ा साफ हो गया , ऐसा कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी । बेशक, इस चुनाव परिणाम से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं का तो हौसला बढ़ेगा ही, ताज्जुब नहीं की लोकसभा चुनाव प्रचार में योगी के ह्यउत्तर प्रदेश मॉडलह्ल की गूंज सुनाई दे ।

सर्वाधिक लोकसभा सीट वाले प्रदेश उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा था। चाहे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल हों, विपक्षी दल समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी या कांग्रेस हों। प्रत्येक राजनीतिक दल के लिए यह निकाय चुनाव उतना ही मायने रखता था। सभी दल अपने-अपने हिसाब से जोर भी खूब लगा रहे थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए निकाय चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था। क्योंकि यह पहला चुनाव था, जो ह्यअकेलेह्ल योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी लड़ रही थी। योगी के ऊपर पूरे चुनाव का दारोमदार था। ऐसे में जीत का श्रेय भी योगी आदित्यनाथ को ही मिलना स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश नगर चुनाव में भारतीय जनता

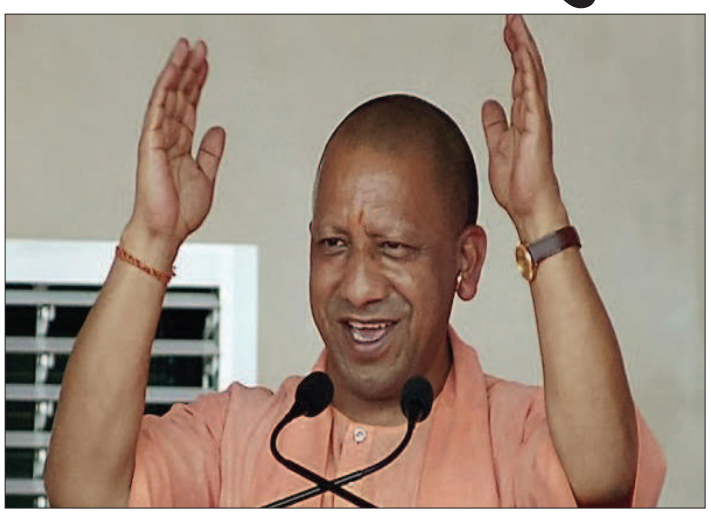

पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल करते हुए सभी 17 नगर निगमों में अपना परचम लहराया है।

2017 के विधानसभा चुनाव से लेकर उत्तर प्रदेश में हुए अब तक के हर चुनाव पर नजर डालें तो योगी की छवि कद्दावर नेता के तौर पर उभरी है। 2017 में योगी आदित्यनाथ जब भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री बनाए गए तो उनकी अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी ने पहला चुनाव, नगर निकाय का ही लड़ा था। उस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने कुल 14 नगर निगमों में जीत हासिल की थी, यही नहीं 70 नगर पालिका अध्यक्ष और नगर पंचायतों में 100 सीटों पर जीत के साथ बढ़िया प्रदर्शन किया था। भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद इस परिणाम के बाद योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम की प्रशंसा की थी लेकिन चुनावी पंडितों ने जीत की वजह ह्यमोदी मैजिकह्ल को ही बताया था। इसके पांच साल बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दोबारा उत्तर प्रदेश की सत्ता हासिल की। इस प्रचंड जीत से योगी की बेहतर प्रशासक की छवि पुष्ट हुई । लेकिन राजनीतिक पंडित अभी भी इस सवाल से जूझ रहे थे कि क्या योगी अकेले पार्टी की चुनावी नैया पार लगा सकते हैं?

कर्नाटक विधानसभा और उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव एक साथ हुए। चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी की पूरी केंद्रीय टीम ने कर्नाटक में ताकत झोंक रखी थी। योगी आदित्यनाथ निकाय चुनाव में अकेले ही मोर्चे पर डटे रहे। वह अपने मंत्रियों, विधायकों के साथ राज्य भारतीय जनता पार्टी टीम की अगुवाई कर रहे थे। निकाय चुनाव की योगी के लिए क्या अहमियत थी इसका अंदाजा चुनावी रैलियों से लगाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ ने महज 13 दिन में ह्यसंवाद का अर्धशतकह्ल लगाया, 50 रैलियां की। सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमाम दूसरी पार्टियों की तुलना में योगी ने चुनाव प्रचार में कहीं ज्यादा पसीना बहाया। हर दिन वो अलग-अलग जिलों के दौरे पर रहे। इतना ही नहीं निकाय चुनाव के बीच में तीन दिन कर्नाटक में भी चुनाव प्रचार किया ।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक चुनावी रैली में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता, उत्तर प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज, हाइवे समेत इंफ्रास्ट्रक्चर एवं चौतरफा विकास पर खूब बोला । लेकिन , सबसे ज्यादा जोर अपराधियों के खिलाफ एक्शन पर दिया। पूरे चुनाव में ह्यमाफियाओं को मिट्टी में मिला देंगेह्ल वाला बयान सर्वाधिक चर्चा में रहा। उमेश पाल हत्याकांड के बाद उत्तर प्रदेश सरकार का बुलडोजर एक्शन से लेकर शूटर्स का एनकाउंटर हो या माफिया अतीक अहमद और उसके भाई की पुलिस कस्टडी में हत्या। भारतीय जनता पार्टी ने हाल के इन घटनाक्रमों को इस तरह से पेश किया जैसे योगी सरकार में ही यह संभव था।

अतीक-अशरफ की हत्या के बाद प्रयागराज पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिए बिना कहा भी था कि यहां की धरती अत्याचार बर्दाश्त नहीं करती। प्रकृति न्याय जरूर करती है। जो जैसा करेगा, उसको वैसा ही फल मिलता है। जिन लोगों ने अन्याय किया था प्रकृति ने उनके साथ न्याय कर दिया। इसी निकाय चुनाव के दौरान पश्चिम उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने दुर्दांत गैंगस्टर अनिल दुजाना को एनकाउंटर में मार गिराया, जिसकी खूब चर्चा हुई। अपनी रैलियों में योगी ने ह्लनो कर्फ्यू, नो दंगा, उत्तर प्रदेश में सब चंगा ह्ल और ह्लरंगदारी न फिरौती, अब उत्तर प्रदेश नहीं है किसी की बपौतीह्ल, जैसे लोकप्रिय नारे गढ़े। योगी आदित्यनाथ ने तो नगर निकाय चुनाव को देवासुर संग्राम तक कह डाला था। सहारनपुर की जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा था कि यह चुनाव देवासुर संग्राम से कम नहीं है। चुनाव में दानव के रूप में भ्रष्टाचारी हैं, दुराचारी हैं और अपराधी प्रवृत्ति के लोग हैं। जनता की मदद से निकाय चुनाव में ऐसी ताकतों को किनारे लगा देना है। सहारनपुर में बसपा उम्मीदवार इमरान मसूद चुनाव को हिंदू-मुसलमान में बांटने की कोशिश करते रहे। पर वे नाकाम रहे। वे हारे, भारतीय जनता पार्टी जीती।

-आर.के. सिन्हा

चिंतन-मनन

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

11 साल पुराने मामले में सैफ की बढ़ीं मुश्किलें

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान की मुश्किलें बढ़ने वाली है। 11 साल पहले मुंबई के पांच सितारा होटल में एक बिजनेसमैन से हुए विवाद और गवाह को चोट पहुंचाने के मामले में अदालत ने उन पर अतिरिक्त आरोप तय कर लिए हैं। सैफ अली खान पर चलने वाला यह मुकदमा पार्ट मजिस्टेट की अदालत में चलेगा। कोर्ट इस केस से जुड़े सभी गवाहों को समन भी जारी कर चुका है। मामले की सुनवाई 15 जून को होनी है। इस मामले में साल 2017 में सैफ ने अदालत में याचिका दायर करते हुए अतिरिक्त आरोप तय करने के खिलाफ सत्र न्यायालय का रुख किया था, लेकिन 2019 में अदालत ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने इस मामले में सैफ अली खान और उनके दो दोस्तों शकील और बिलाल पर अतिरिक्त आरोप तय करते हुए भारतीय दंड सहिता की धारा 325 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना) और 34 (सामान्य इरादे से अपराध करना) के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि इस मामले में सैफ और उनके दोस्तों पर मजिस्ट्रेट अदालत ने धारा 232 के तहत पहले मुकदमा शुरू कर लिया था। शिकायतकर्ताओं द्वारा अतिरिक्त आरोप तय करने की अपील को स्वीकर कर लिया था। इसके बाद ही सैफ अली खान ने सत्र न्यायालय का रुख किया था।

क्या है सैफ अली खान का 11 साल पुराना ये विवाद

यह विवाद 22 फरवरी 2012 का है, जब सैफ अली खान अपने दोस्तों के साथ पांच सितारा में खाना खा रहे थे, उस दौरान उनकी और शिकायतकर्ताओं के बीच विवाद हो गया था। पुलिस के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीकी बिजनेसमैन इकबाल शर्मा ने सैफ अली खान और उनके दोस्तों को तेज आवाज में बातचीत करने का विरोध किया था। इसके बाद सैफ ने इकबाल और उनके ससुर रमनभाई को कथित तौर पर धमकी दी थी। इसके साथ ही इकबाल को मुक्का भी मारा, जिससे उनकी नाक में चोट लग गई थी।

श्रावणी में निगेटिव रोल पर बोली आरती सिंह

अभिनेत्री आरती सिंह, जो वर्तमान में टीवी शो श्रावणी में दिखाई दे रही हैं, नेगेटिव लीड चंद्रा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने अपने कैरेक्टर को महिला चाणक्य बताया। आरती सिंह और गौरिका शर्मा ने शो में अपनी भूमिकाओं के बारे में बात की। चंद्रा की भूमिका निभाने पर, आरती ने कहा चंद्रा किसी भी तरह सब कुछ हासिल करना चाहती है और वह जो चाहती है उसे पाने के लिए कुछ भी करेगी। वह बहुत महत्वाकांक्षी है। चंद्रा महिला चाणक्य की तरह है। उन्होंने कहा, इस भूमिका को निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण है। मैंने कभी भी खलनायक की भूमिका नहीं निभाई है, एक पूरी तरह से निगेटिव कैरेक्टर। मैं आम तौर पर तैयारी नहीं करती हूं, मैं स्वाभाविक रूप से कैरेक्टर से जुड़ जाती हूं। इसके अलावा, मैं लखनऊ से हूं और यह कहानी भी यूपी पर आधारित है, इसलिए बोली और शैली को चुनना मेरे लिए मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा- मैंने कभी भी खलनायक की भूमिका नहीं निभाई है और निश्चित रूप से यह निगेटिव भूमिका है और कहानी का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रोडक्शन हाउस बहुत अच्छा है। मैं निर्माता और निर्देशक को जानती हूं, उन्होंने पहले कुछ सराहनीय काम किए हैं। यही कुछ कारण हैं जिनकी वजह से मैंने शो लिया क्योंकि मैं अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहती थी। श्रावणी का किरदार निभा रहीं गौरिका शर्मा कहती हैं, यह बहुत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि मैं श्रवण कुमार का महिला संस्करण निभा रही हूं और अब तक लोगों ने केवल पुरुषों को ही श्रवण कुमार जैसा किरदार निभाते देखा है। यह मेरे लिए एक चुनौती है चंद्रा जैसे किरदार के सामने कैसे पेश आएं। श्रावणी अपने अंधे माता-पिता की देखभाल करने और हर कीमत पर उनकी रक्षा करने के लिए कुछ भी कर सकती है। मुझे लगता है कि यह शो आज के युवाओं को अपने माता-पिता के प्रति जिम्मेदार होने का एक महत्वपूर्ण संदेश देता है।

सुपरनेचुलर थ्रिलर में एक साथ नजर आएंगे अजय देवगन व आर माधवन

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन और 3 इडियट्स स्टार आर. माधवन अपकमिंग सुपरनेचुलर थ्रिलर में स्क्रीन शेयर करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन विकास बहल करेंगे, जिन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म क्वीन का निर्देशन किया था। फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और अगले महीने फ्लोर पर जाएगी। इसकी बड़े पैमाने पर शूटिंग मुंबई, मसूरी और लंदन में होगी। फिल्म के लिए अजय, जो फिल्म का निर्माण भी कर रहे हैं, ने दृश्यम 2 के निर्माता कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक के साथ मिलकर काम किया है। फिल्म का निर्माण अजय देवगन एफफिल्म और पैनोरमा स्टूडियो के बैनर तले किया जा रहा है। ट्रेड एक्सपर्ट्स के अनुसार, अजय की आखिरी फिल्म भोला ने दुनिया भर में 112 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे पहले दृश्यम 2 ने दुनिया भर में 345 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी।

अल्लू अर्जुन बनेंगे द इमोर्टल अश्वथामा

निर्देशक आदित्य धर का ड्रीम प्रोजेक्ट द इमोर्टल अश्वथामा पिछले तीन सालों से शुरू होने की राह देख रहा है। आरएसवीपी के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म से रॉनी स्क्रूवाला ने हाथ पीछे खींच लिए थे, उसके बाद से निर्माता की तलाश जारी थी, जो जियो करोड़ की लागत को विक्की पर नहीं लगाना चाहता था। इसके बाद कई सितारों के नाम सामने आए लेकिन बात अब अल्लू अर्जुन के संकेत देने से बढ़ रही है। अब सुनने में आया है कि पुष्पा स्टार के साथ मेकर्स की बात शुरू हो चुकी है। शुरुआती स्तर पर अल्लू करने के लिए हामी भर चुके हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट की मानें तो करीबी सूत्र ने कहा, अश्वथामा आदित्य धर का सपना है। जिसे जियो स्टूडियो के बोर्ड में आने पर नई जिंदगी मिली। फिल्ममेकर और जियो स्टूडियो के टॉप अधिकारी अल्लू अर्जुन से बात कर रहे हैं। बातें शुरुआती स्तर पर हैं और अल्लू अर्जुन ने अपनी ओर से इस अनोखी दुनिया में आने के लिए उत्सुकता दिखाई है। बीते कुछ महीनों में कई बातचीत के दौर पूरे हो चुके हैं और जल्दी ही चीजें वास्तविकता का रूप ले सकेंगी।

ऋतिक, सलमान और अल्लू अर्जुन के साथ परदे पर अच्छी लगती हैं पूजा हेगड़े

हाल ही में सलमान खान के साथ किसी का भाई किसी की जान में दिखाई दी पूजा हेगड़े सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। सलमान की फिल्म को दर्शकों से वो प्यार नहीं मिला जो उनकी हर फिल्म को मिलता है। इसके बावजूद दर्शकों ने पूजा और सलमान की जोड़ी की प्रशंसा की। हाल ही में, मदर्स डे स्पेशल सेगमेंट में, पूजा और उनकी माँ लता हेगड़े ने पिंकविला से बातचीत की। इस बातचीत के दौरान पूजा की माँ लता ने बताया कि वह पूजा को अल्लू अर्जुन, ऋतिक रोशन और सलमान खान के साथ बड़े पर्दे पर देखना पसंद करती हैं। इंटरव्यू के दौरान, पूजा की मां से उस अभिनेता के बारे में पूछा गया जो स्क्रीन पर उनके साथ सबसे अच्छा दिखता है। उनकी मां ने सलमान, अल्लू अर्जुन और ऋतिक का नाम चुना। पूजा ने ऋतिक के साथ मोहन जो दारो से हिन्दी सिनेमा में डेब्यू किया था। हालांकि आशुतोष गोवारिकर निर्देशित यह फिल्म उस वर्ष की सबसे बड़ी असफल फिल्मों में शामिल हुई थी। अल्लू अर्जुन के साथ, उन्होंने अला वैकुंठप्रेमुलु में अभिनय किया। पूजा की मां ने कहा, वह अल्लू अर्जुन और ऋतिक रोशन के साथ सबसे अच्छी लगती हैं। पूजा ने इस बातचीत के बीच में अपनी माँ को टोकते हुए कहा, देखो माँ ईमानदार जवाब देती हैं, हमें कूटनीतिक जवाब देना है।

डॉन-3 की पटकथा को पूरा करने में लगे फरहान

शाहरुख की लगातार असफलता के बाद पठान के जरिये आई वापसी ने उन फिल्मों को फिर से पटरी पर लाने का काम कर दिया है जिन्हें शाहरुख खान के साथ बनाने की योजना काफी अरसे से रुकी पड़ी है। इनमें सबसे पहली फिल्म है डॉन, जिसके अब तक दो भाग दर्शकों के सामने आ चुके हैं और दोनों को ही दर्शकों से जबरदस्त प्यार मिला है। बताया जा रहा है कि फरहान अख्तर ने अपनी निर्मित निर्देशित डॉन के 3रे भाग की पटकथा पर काम शुरू कर दिया है। इस बात की जानकारी स्वयं निर्माता रितेश सिद्धवानी ने दी है। गलियारों में बहती हवाओं ने संकेत दिया है कि फरहान अख्तर इस फिल्म को 2024 में शूट करना शुरू करेंगे और इसे 2025 दीपावली के मौके पर प्रदर्शित करने की योजना बन रही है। अगर ऐसा होता है तो सम्भवतया यह पहला मौका होगा जब शाहरुख की फिल्मों को लगातार जबरदस्त सफलता मिलेगी। प्राप्त समाचारों के अनुसार निर्माता- निर्देशक रितेश सिद्धवानी ने खुद इन खबरों पर पक्की मुहर लगाई है। हाल ही में फिल्ममेकर ने एक इंटरव्यू में बताया कि शाहरुख खान की फिल्म डॉन 3 पर तेजी से काम चल रहा है। उनके पार्टनर फरहान अख्तर जो इस फिल्म के राइटर भी हैं। वो फिलहाल इस फिल्म की स्क्रीप्टिंग पर तेजी से काम कर रहे हैं।

अक्षय कुमार ने बदला कैप्सूल गिल का नाम अब हुई द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू

अक्षय कुमार जल्द फिल्म कैप्सूल गिल में रियल लाइफ हीरो की जिन्दगी परदे पर उतारते नजर आएंगे। फिल्म में अक्षय कुमार माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल के किरदार में दिखाई देंगे। का नाम बदल दिया है। सूत्रों के मुताबिक फिल्म का नाम अब द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू रखा गया है। निर्माताओं को लगता है कि यह फिल्म टाइटल में दम है। यह फिल्म एक अविश्वसनीय वास्तविक रेस्क्यू मिशन पर आधारित है और द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू से बेहतर टाइटल क्या हो सकता है। फिल्म की शूटिंग पिछले साल यॉर्कशायर में हुई थी। ये फिल्म पूर्व अतिरिक्त मुख्य खनन अभियन्ता स्वर्गीय जसवंत गिल पर आधारित है, जिन्होंने 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज में एक बाढ़ वाली कोयला खदान में फंसे 65 लोगों की जान बचाई थी। इस फिल्म से अक्षय का पगड़ी वाला लुक भी जारी किया जा चुका है। यह फिल्म इस साल सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए पूरी तरह तैयार है। ट्रेड सूत्रों का कहना है कि सेल्फी के बाद यह अक्षय की अगली रिलीज हो सकती है, हालांकि सोरारई पोटरू रीमेक 1 सितम्बर के लिए निर्धारित है। अब यह देखना बाकी है कि कौन सी फिल्म पहले सिनेमाघरों में प्रदर्शित होती है। कैप्सूल गिल उर्फ द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू का निर्माण पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले वासु भगनानी कर रहे हैं और इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्म रूस्तम को निर्देशित करने वाले टीनू सुरेश देसाई ने किया है।

क्या ऋषभ शेट्टी की कांतारा 2 में काम करेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी?

ऋषभ शेट्टी की कांतारा पिछले साल रिलीज हुई थी। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। ऋषभ शेट्टी द्वारा निर्देशित, लिखित और अभिनीत इस फिल्म ने न केवल देश में बल्कि विदेशी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। कांतारा की सफलता के बाद एलान किया गया था कि इसका सीक्वल की बनेगा। वहीं अब कांतारा 2 की शूटिंग भी जल्द शुरू होने वाली है। चर्चा है कि कांतारा 2 में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आ सकते हैं। इस बात का हिंट खुद नवाजुद्दीन ने दिया है। एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए नवाजउद्दीन ने बताया कि वह ऋषभ शेट्टी के थिएटर से जुड़े हैं। ऋषभ शेट्टी अपने रूट्स और ट्रेडिशनल फॉर्म को लेकर हमेशा ईमानदार रहे हैं। नवाजुद्दीन ने कहा, यहां तक कि वह इसे लेकर एक फिल्म भी बना रहे हैं। हम दोनों के एक ही गुरु हैं। हमारे बीच एक अच्छा कनेक्शन है और हम अब दोस्त भी हैं। नवाजुद्दीन के इस बयान के बाद कयास लगाए जा वाले हैं। हालांकि अभी तक इसकों लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म अफवाह में नजर आए थे। वह जल्द ही फिल्म जोगीरा सारा रा रा में दिखेंगे।

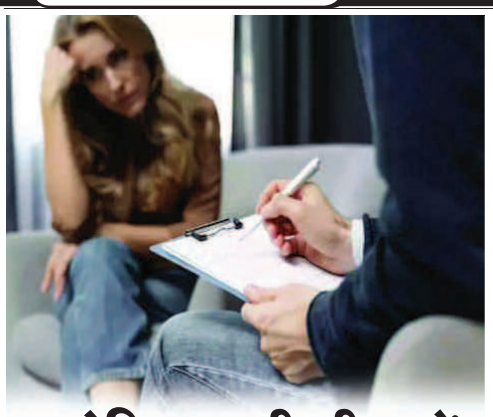

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

◗ मनोविज्ञानी ◗ मनोचिकित्सक ◗ समाज सेवक ◗ काउंसलर ◗ शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ◗ मानव संसाधन प्रबंधक ◗ अध्यापक ◗ अनुसंधान भूमिकाएं ◗ मीडिया भूमिकाएं ◗ मनोविज्ञान में करियर मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% **अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित** विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम.फिल **की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल** का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी **इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते** है तो आइये जानते है **इसमें नामांकन के** लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- **संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री** या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% **अंक होना आवश्यक है।**
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- **आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए** 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट **जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं** भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- **ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के** बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो **आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है**
- **सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है** उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन **फॉर्म की फीस जमा** करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में **प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया** सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को **साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है।** साक्षात्कार में सफल होने के बाद **डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज** का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- **फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन**
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला **या सही तरीका आता हो।** कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-**लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनि**केशन स्किल **अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का** ध्यान रखकर **इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।**

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब **कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देख**कर आप **सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ** समझ जाते हैं, **तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैं**ग्वेज को **सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैं**ग्वेज के द्वारा **आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या** मीटिंग्स में **जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड** करने नहीं **रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज** का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी **बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे** आप उसकी **बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत** में बात **करते समय आपसे कुछ गलतियां भी** हो सकती हैं, **लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से** कम्युनिकेशन **कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को** अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो **आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने** के साथ **उसे भी समझना होगा** कि वो आपसे क्या कहना **चाहता है। तभी आप उ**सके साथ कम्युनिकेशन कर **पाएंगे। इसलिए पहले** सामने वाले पर्सन की बातों को **अच्छे से समझें कि वो** क्या कहना चाहता है, कैसा **एक्सप्रेशन दे रहा है** और उसको अच्छे से समझने के **बाद आप अपना जवाब** दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज **करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें** लोगों से बात करते समय यूज करें। **स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग** कर **जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है।** जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी **बात को** अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस **करनी होगी। आपको डेली कम्युनि**केशन के कुछ **वर्ड्स याद करने होंगे और इन** याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप **एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा** देखेंगे नहीं तो भूल **जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी** कम्युनिकेशन पर **दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए।** इससे **आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।**

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से **भी बात करते समय ध्यान रखें कि** आपको प्वॉइंट टू **प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात** करना होता है तो **आपको बिना डरे खुल कर बात** करना चाहिए। अगर **आप इधर उधर की बात करेंगे तो** जिस प्वाइंट पर **आप बात करना चाहते हैं, उसपर** नहीं कर पाएंगे। **साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी** कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें **तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये** रखें। इससे हमारी **सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता** है और साथ ही **हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ** दिखाई देते हैं। ये **हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को** भी इफेक्टिव बनती **है। वहीं ऐसे बात करते समय आप**का कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉन्फिडेंट रहना जरूरी **होता है। यह तभी हो पाएगा जब** आप निडर होंगे, **श्योर होंगे और जब आप बाहर की** आवाजों पर **डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग** में जब भी आप **किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों** से डरे नहीं, **क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल** बात है, लेकिन जब **धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे,** आपकी **कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो** जाएगी तो आप पूरे **कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।**

संक्षेप खबर

आयरलैंड को पांच रन से हराकर बांग्लादेश ने वनडे श्रृंखला जीती

चेम्सफोर्ड। कप्तान तामिम इकबाल के 69 रन और मुस्ताफिजूर रहमान के चार विकेट की मदद से बांग्लादेश ने आयरलैंड को पांच रन से हराकर एक दिवसीय क्रिकेट श्रृंखला जीत ली। बांग्लादेश ने 48.5 ओवर में 274 रन बनाये। जवाब में आयरलैंड जीत के करीब पहुंच रहा था और उसे आखिरी ओवर में दस रन की जरूरत थी। उसने हसन महमूद के इस ओवर में तीन गेंद में दो विकेट गंवा दिये और नौ विकेट पर 269 रन ही बना सकी। बांग्लादेश ने दूसरा वनडे तीन विकेट से जीता था जबकि पहला मैच बारिश में धुल गया था। इकबाल ने दूसरे विकेट के लिये नजमुल हुसैन शांतो (35) के साथ 49 और तीसरे विकेट के लिये लिटन दास (35) के साथ 70 रन की साझेदारी की। मुशफिकुर रहीम ने 45 और मेहदी हसन मिराज ने 37 रन बनाये। आयरलैंड के लिये सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने 60 और कप्तान एंडी बालबर्नी ने 53 रन बनाये।

शाकिब अल हसन अंगुली में लगी चोट के कारण छह सप्ताह के लिए हुए क्रिकेट से दूर

ढाका। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन अंगुली में लगी चोट के कारण करीब छह हफ्ते के लिए क्रिकेट से दूर हो गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को उक्त जानकारी दी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा कि इंग्लैंड के चेम्सफोर्ड में आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार को दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान शाकिब को कैच लेने के प्रयास में दाहिनी तर्जनी की नोक पर चोट लग गई। राष्ट्रीय टीम के फिजियो बायजेदुल इस्लाम खान ने कहा, शनिवार को एक्स-रे के जरिए अंगुली में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। इस तरह की चोटों को ठीक होने में आमतौर पर छह सप्ताह लगते हैं।

ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज की मेजबानी करेगा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम इन गर्मियों में पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज की मेजबानी करेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 14 दिसंबर से 7 जनवरी तक पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। इसके बाद टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 17 से 29 जनवरी तक दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। पाकिस्तान श्रृंखला पर्थ में शुरू होती है, उसके बाद मेलबर्न और सिडनी में बॉक्सिंग डे और न्यू ईयर टेस्ट खेली जाएगी। वेस्टइंडीज श्रृंखला का पहला टेस्ट एडिलेड में होगा, इससे पहले टीमें डे-नाइट टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन जाएंगी। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्ट इंडीज में अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया फरवरी में वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन एक दिवसीय और तीन ट्वेंटी-20 मैच खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच भी खेलेगी, इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक बहु-प्रारूप श्रृंखला होगी।

हरियाणा ने जीता सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का खिताब

राउरकेला। गत चैंपियन हॉकी हरियाणा ने 13वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2023 का खिताब जीत लिया है। वहीं, हॉकी झारखंड दूसरे स्थान पर रहा। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने विश्व स्तरीय बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में उत्तर प्रदेश हॉकी को हराकर टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। इस11-दिवसीय टूर्नामेंट में 28 टीमों ने हिस्सा लिया था। रविवार शाम खेले गए खिताबी मुकाबले में हॉकी हरियाणा ने फाइनल में हॉकी झारखंड को 3-2 से हराकर ट्रॉफी जीती। हरियाणा की टीम टूर्नामेंट में अजेय रही। मैच में झारखंड के लिए संगीता कुमारी (7%) और अंकिता मिंज (27%) ने गोल किया, जबकि हरियाणा के लिए भाव्या (25%, 58%) ने दो और मीनाक्षी (36%) ने एक गोल किया। इससे पहले दिन में, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने उत्तर प्रदेश हॉकी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हरा कर तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों टीमें इस कड़े मुकाबले में तय समय तक 1-1 से बराबरी पर रहीं। उत्तर प्रदेश के लिए रश्मी रायकवार (6%) ने मैच का पहला गोल किया, हालांकि सोनाली एक्का (43%) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर ओडिशा को 1-1 से बराबरी दिला दी। पेनल्टी शूट आउट में ओडिशा के लिए कुह्लू ने पांच में से दो गोल बचाए और कप्तान तनुजा टोप्पो, बिनती मिंज, अमीषा एक्का और सोनाली एक्का ने गोल कर अपनी टीम को शूटआउट में 4-3 से जीत दिला दी।

अदिति फाउंडर्स कप में संयुक्त पांचवें स्थान पर

क्लिफ्टन। पहले तीन दिन खिताब की दौड़ में रहने के बाद भारत की अदिति अशोक एक ओवर 73 के निराशाजनक स्कोर के बाद फाउंडर्स कप गोल्फ में संयुक्त पांचवें स्थान पर रही। इससे पहले अदिति जेएम ईगल एलए चैम्पियनशिप में उपविजेता रही थी। इस प्रदर्शन के बाद वह रेस टू सीएमई ग्लोब में शीर्ष 20 में पहुंच जायेगी लेकिन एलपीजीए टूर पर खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने के लिये अभी उन्हें और इंतजार करना होगा। अगले सप्ताह वह आरामको सीरिज फ्लोरिडा में खेलेंगी। कोरिया की जिन यंग को ने पांच साल में तीसरी बार खिताब जीता और गत चैम्पियन मिंजी ली दूसरे स्थान पर रही।

बार्सिलोना ने पांच साल बाद जीता ला लीगा खिताब

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने स्पैनिश फुटबॉल चैंपियनशिप के 34वें चरण में आरसीडी एस्पेन्योल को हराकर ला लीगा का खिताब जीत लिया है। कॉर्नेला एल-प्रैट स्टेडियम पर रविवार को खेले गये मुकाबले में बार्सिलोना ने 4-2 की जीत के साथ पांच साल बाद ला लीगा की ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने अंक तालिका में 85 अंक हासिल कर लिये। तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड (71 अंक) के लिये यहां तक पहुंचना असंभव है। बार्सिलोना ने जीत के बाद ट्वीट किया, ला लीगा हमारा है, और भविष्य भी।

गुजरात टाइटंस को नंबर 3 पर एक सेट बल्लेबाज की जरूरत : इरफान पठान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में लीग चरण का आखिरी हफ्ता शुरू हो गया है और प्लेऑफ के लिए कोई भी टीम क्वालीफाई नहीं कर पाई है। आज शाम गुजरात टाइटंस की टीम सनराइजर्स हैदराबाद की मेजबानी करेगी जो लीग चरण में उसका आखिरी घरेलू मैच होगा। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली टीम यदि हैदराबाद को हरा देती है, तो वे प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई कर जाएंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा कि गुजरात की इस सीज़न में शीर्ष चार में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन सकती है। स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट लाइव में कैफ ने कहा, हैदराबाद के खिलाफ जीत के साथ गुजरात टाइटन्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम हो सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या पिछले गेम में अपने और अपनी टीम के प्रदर्शन से नाखुश दिखे और वे इस पर ध्यान देंगे। घर से बाहर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और वे इस बार घर में जीत का रिकॉर्ड सुधारना चाहेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा कि इस आईपीएल में गुजरात की बल्लेबाजी लाइन-अप में तीसरे नंबर पर एक सेट बल्लेबाज की जरूरत है। इरफान ने कहा, गुजरात टाइटंस को नंबर 3 पर बल्लेबाजी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हार्दिक इस साल बल्ले से उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए हैं। लेकिन अगर वह तीन नंबर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। टीम प्रबंधन के लिए तीसरे नंबर पर किस बल्लेबाज को भेजा जाए, इसकी समस्या आ रही है।

चक्रवर्ती को नीलामी में नहीं खरीद पाने का अब तक है मलाल : फ्लेमिंग

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि आईपीएल नीलामी में पूर्व नेट गेंदबाज वरूण चक्रवर्ती को नहीं खरीद पाने का मलाल उन्हें आज तक है। चक्रवर्ती कुछ साल तक चेन्नई के नेट गेंदबाज रहे और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी समेत चेन्नइ के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। चेपॉक पर आईपीएल का अपना पहला मैच खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के आफ स्पिनर ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

सुनील गावस्कर ने धोनी से लिया सीने पर ऑटोग्राफ, बोलेः

धोनी जैसा खिलाड़ी सदी में एक ही आता है

चेन्नई। एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक सुनील गावस्कर ने रविवार को देश के सबसे सफल क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का ऑटोग्राफ लिया. टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के सामने 10 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले गावस्कर ने कोलकाता नाइटराइडर्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच यहां खेले गये मैच के बाद धोनी ने अपने सीने के पास शर्ट पर ऑटोग्राफ लिया । चेन्नई सुपरकिंग्स का मौजूदा सत्र में यह चेपॉक मैदान पर यह आखिरी मैच था. मैच के बाद 41 साल के धोनी टेनिस रैकेट और ऑटोग्राफ वाली टेनिस गेंदों के साथ मैदान में आये और वहां मौजूद दर्शकों को रैकेट की मदद से गेंद देने लगे। धोनी के साथ चेन्नई सुपरकिंग्स के दूसरे खिलाड़ी भी मैदान का चक्कर लगाकर दर्शकों को गेंद और टी-शर्ट दे रहे थे तभी गावस्कर पीछे से दौड़ते हुए उनके पास पहुंचे और फिर धोनी ने उनके सीने के पास शर्ट पर अपना हस्ताक्षर किया. इसके बाद सुनील गावस्कर ने कहा कि, ÷धोनी जैसा खिलाड़ी सदी में कोई एक ही आता है.÷ मौजूदा सत्र में धोनी ने कप्तान के तौर पर जब चेन्नई के लिए 200वां मैच खेला था तब गावस्कर ने उन्हें आईपीएल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ कप्तान करार दिया था। गावस्कर ने इस साल 17 अप्रैल को कहा था, %%चेन्नई सुपर किंग्स की टीम कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलना जानती है और ऐसा धोनी की कप्तानी में ही संभव हो पाया है. किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए 200 मैचों में कप्तानी करना काफी मुश्किल होता है, कप्तानी एक बोझ की तरह है जो खिलाड़ी के प्रदर्शन को प्रभावित करता है लेकिन माही अलग हैं, वह एक अलग कप्तान हैं. उनके जैसा कप्तान कभी नहीं हुआ और ना ही भविष्य में कोई उनके जैसा होगा.%% धोनी टी20 और एकदिवसीय विश्व कप के अलावा चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के इकलौते कप्तान है. आईपीएल में भी उन्होंने चार खिताब जीते है और उनकी टीम मुंबई इंडियंस (पांच खिताब) के बाद इस लीग की दूसरी सबसे सफल टीम है.

दिल को छू लेने वाला क्षण

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से अपनी टीम की हार के बाद, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान एमएस धोनी को महान भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर के साथ क्रिकेट के मैदान में दिल को छू लेने वाला क्षण शेयर करते हुए देखा गया. इस दौरान धोनी गावस्कर के सीने पर ऑटोग्राफ दे रहे थे. रिंकू सिंह और नितीश राणा के अर्धशतक ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के प्लेऑफ की उम्मीद को जिंदा रखा क्योंकि उन्होंने रविवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर 6 विकेट से जीत दर्ज की. फिर धोनी ने गावस्कर की शर्ट पर मैदान में खड़े होकर सिग्नेचर किया. सीएसके के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया, यह सीधे हमारे दिल में जाता है! गावस्कर ने 1971-1987 तक 125 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 51.12 के औसत से 34 शतक और 45 अर्द्धशतक के साथ 10,122 रन बनाए हैं. उन्होंने 108 एकदिवसीय मैच भी खेले, जिसमें 35 से अधिक की औसत से एक शतक और 13 अर्द्धशतक के साथ 3,092 रन बनाए. उन्हें अब तक के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है. सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना और अपने 20 ओवरों में 144/6 तक ही सीमित हो गया. शिवम दूबे (34 गेंदों में 48 *), डेवोन कॉनवे (28 गेंदों में 30) और रवींद्र जडेजा (20) ने मजबूत बल्लेबाजी की. दुबे और जडेजा के बीच छठे विकेट के लिए 68 रन की पार्टनरशिप हुई. सुनील नारायण केकेआर के लिए गेंदबाजों में से एक थे, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 2/15 रन दिए. स्पिनर वरुण चक्रवर्ती (2/36) को भी दो विकेट मिले. वैभव अरोड़ा और शार्दुल ठाकुर को एक-एक विकेट मिला। 145 रनों का पीछा करते हुए केकेआर एक बार जहां 33/3 पर था. फिर कप्तान नीतीश राणा और रिंकू सिंह के बीच 99 रनों की साझेदारी हुई, जिसने केकेआर को खेल में वापस ला दिया. नीतीश ने 44 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 57 रन बनाए जबकि रिंकू ने 43 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 54 रन बनाए. केकेआर ने 18.3 ओवर में छह विकेट शेष रहते लक्ष्य का पीछा कर लिया। दीपक चाहर (3/27) सीएसके के लिए सबसे अच्छे गेंदबाज साबित हुए और उन्होंने केकेआर के शीर्ष क्रम को शुरुआती नुकसान पहुंचाया. सीएसके सात जीत, पांच हार और एक नतीजे के साथ दूसरे स्थान पर है. उनके कुल 15 अंक हैं. केकेआर छह जीत, सात हार और कुल 12 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है. रिंकू को उनकी फिफ्टी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' दिया गया।

हमें 180 रन बनाने चाहिए थे : धोनी

चेन्नई । एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच को छह विकेट से गंवाने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि जब उनकी टीम गेंदबाजी के लिए उतरी तभी उन्होंने अंदाजा लगा लिया था कि टीम को 180 के करीब रन बनाने चाहिए थे। चेन्नई को छह विकेट पर 144 रन पर रोकने के बाद केकेआर ने 18.3 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। धोनी ने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, दूसरी पारी में जब हमने पहली गेंद फेंकी तभी हमें पता चल गया था कि हमें 180 के करीब रन बनाने चाहिए थे। उन्होंने हालांकि टीम की हार के लिए किसी खिलाड़ी पर दोष मढ़ने की जगह परिस्थितियों को जिम्मेदार बताया। धोनी ने कहा, हमारी गेंदबाजी के समय ओस ने बड़ा अंतर पैदा किया। हम वास्तव में अपने किसी भी गेंदबाज को दोष नहीं दे सकते। बस परिस्थितियों का खेल पर बड़ा प्रभाव पड़ा। धोनी ने इस मौके पर 34 गेंद में नाबाद 48 रन की पारी खेलने वाले शिवम दुबे और तीन विकेट लेने वाले दीपक चाहर की तारीफ की। उन्होंने कहा, शिवम ने जो किया है उससे बहुत खुश हूं, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि वह संतुष्ट नहीं है और सुधार करता रहता है। दीपक चाहर गेंद को स्विंग करने में माहिर है। उसे पता होता है कि कहा गेंदबाजी करनी है, कहां क्षेत्ररक्षक है और वह उसी के अनुसार गेंदबाजी करता हैं।

जोकोविच ने इटालियन ओपन में दिमित्रोव को हराया, स्वियातेक भी जीती

रोम। एजेंसी

बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने दूसरा सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए ग्रिगोर दिमित्रोव को 6.3, 4.6, 6.1 से हराकर इटालियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में प्रवेश किया। लाल बजर पर पिछले दो टूर्नामेंटों में जोकोविच जल्दी बाहर हो गए जिसके मायने हैं कि इस टूर्नामेंट के बाद वह एक बार फिर नंबर एक रैंकिंग कार्लोस अलकाराज को गंवा देंगे। जोकोविच का सामना अब 13वीं वरीयता प्राप्त कैमरन नॉरी से होगा जिसने मार्टोन फुस्कोविक्स को 6.2, 7.6 से हराया। इससे पहले दो बार की चैम्पियन इगा स्वियातेक ने लेसिया सुरेंको को 6.2, 6.0 से हराया। पिछले मैच में उन्होंने अनास्तासिया पी को 6.0, 6.0 से मात दी थी। अब उनका सामना 21वीं वरीयता प्राप्त डोन्ना वेकिच से होगा जिसने 16वीं वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा को 2.6, 7.6, 6.2 से हराया। फ्रेंच ओपन 2022 उपविजेता कोको गॉ को 27वीं वरीयता प्राप्त मैरी बूजकोवा ने 4.6, 6.2, 6.2 से मात दी।वहीं मार्केटा वोंड्रूसोवा ने नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी को 7.5, 6.3 से हराया।

चोट के कारण हिमा दास फेड कप एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर, तूर, अन्नू पर होगी नजर

रांची। एजेंसी

एशियाई खेलों के चैंपियन शॉट पुटर तेजिंदरपाल सिंह तूर और राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी आज से यहां शुरू हो रही फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शिरकत करेंगे। बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित इस चैम्पियनशिप में 5000 से अधिक एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। बर्मिंघम राष्ट्र मंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ट्रिपल जम्पर एल्डहोज पॉल, रजत पदक विजेता अविनाश सेबल (300 मीटर स्टीपलचेज) और मुरली श्रीशंकर (लंबी कूद) सहित कई शीर्ष एथलीट चार दिवसीय मीट में शामिल नहीं होंगे। पिछले महीने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण स्टार स्प्रिंटर हिमा दास भी चैंपियनशिप से बाहर हो गई हैं। सीजन का यह पहला बड़ा घरेलू ट्रैक और फील्ड इवेंट बैंकॉक में 12 से 16 जुलाई तक होने वाले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है। यह सितंबर-अक्टूबर में होने वाले बुडापेस्ट विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप और हांगजो एशियाई खेलों के लिए योग्यता मानकों को हासिल करने के इच्छुक एथलीटों के लिए भी एक अच्छा मंच होगा। इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रहे कुछ अन्य शीर्ष एथलीटों में पुरुषों की लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक जेसविन एल्ड्रिन, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक लंबी कूद की प्रतिभाशाली खिलाड़ी शैली सिंह और ट्रिपल जम्पर प्रवीण चित्रवेल शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर बनाया है। इनमें से अधिकांश एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिए विदेशों में प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 30 वर्षीय अनु फरवरी से ऑफेनबर्ग, जर्मनी में प्रशिक्षण ले रही हैं और वह अपना 2023 सत्र शुरू करेंगी। इस प्रतियोगिता के पहले दिन यानि आज सोमवार को प्रतियोगी पांच स्पर्धाओं में पदक के लिए भिड़ेंगे, जिसमें सुबह के सत्र के लिए निर्धारित पुरुषों और महिलाओं दोनों वर्ग में 10,000 मीटर की कठिन ट्रैक दौड़ शामिल है। शाम के सत्र में महिलाओं के हैमर थ्रो और 3000 मीटर पुरुषों और महिलाओं की स्टीपलचेज स्पर्धाओं का फाइनल होगा।

भारत को टी20 में रोहित, कोहली से आगे बढ़ना होगा : शास्त्री

मुंबई। एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री चाहते हैं कि भारत अब टी20 अंतराष्ट्रीय में विराट कोहली और रोहित शर्मा से आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों को मौका दे। मौजूदा आईपीएल सीजन में युवाओं के प्रदर्शन से प्रभावित शास्त्री ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के एक कार्यक्रम पर कहा, आने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाना चाहिए, उन्हें अनुभव लेने देना चाहिये। चयनकर्ताओं को अभी से ही इसके लिए काम शुरू कर देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यशस्वी जायसवाल, जितेश शर्मा, तिलक वर्मा और प्रभसिमरन सिंह जैसे युवाओं ने आईपीएल 2023 में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। शास्त्री का कहना है कि अगर वह चयनकर्ता होते तो आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को टीम में जगह देते, जबकि विराट और रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों को खेल के लंबे प्रारूपों के लिये रखते।

आईपीएल 2023 : रिंकू-नीतीश ने केकेआर को प्लेऑफ की दौड़ में बरकरार रखा

चेन्नई। एजेंसी

कप्तान नीतीश राणा (57 नाबाद) और रिंकू सिंह (54) के शानदार अर्द्धशतकों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के करो या मरो मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से मात दी। चेन्नई ने शिवम दूबे (48 नाबाद) की मदद से केकेआर के सामने 145 रन का लक्ष्य रखा। केकेआर ने यह लक्ष्य 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। चेन्नई के अन्य बल्लेबाज केकेआर की स्पिन के आगे संघर्ष करते नजर आये, लेकिन जुझारू बल्लेबाज दूबे ने 34 गेंद पर एक चौके और तीन छक्कों के साथ नाबाद 48 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। केकेआर ने इसके जवाब में अपने शुरुआती तीन विकेट 33 रन पर गंवा दिये, लेकिन रिंकू और नीतीश ने 99 रन की साझेदारी कर मेहमान टीम को जीत दिलाई। इस जीत के बाद केकेआर 13 मैचों में 12 अंक अर्जित कर लिये हैं और उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। चेन्नई 13 मैचों में 15 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने वाली चेन्नई को चेपौक की धीमी पिच पर रन बनाने के लिये संघर्ष करना पड़ा।

मेज़बान टीम को पहला झटका रुतुराज गायकवाड़ (13 गेंद, 17 रन) के रूप में लगा जब वह वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में शॉर्ट थर्ड मैन को कैच दे बैठे। चेन्नई ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 52 रन बना भी लिये, हालांकि फील्ड खुलने के बाद चौकों-छक्कों का सूखा पड़ गया। अजिंक्य रहाणे (11 गेंद, 16 रन) रनगति बढ़ाने की कोशिश में चक्रवर्ती को अपना विकेट दे बैठे, जबकि धैर्य के साथ खेल रहे डेवन कॉनवे (28 गेंद, 30 रन) को शार्दुल ठाकुर ने आउट कर दिया। सुनील नरेन ने चेन्नई पर दबाव बढ़ाते हुए अंबाती रायडू और मोईन अली के रूप में चेन्नई का चौथा और पांचवां विकेट गिरा दिया। पारी के 11वें ओवर तक मात्र 72 रन बनने के बाद चेन्नई को बड़े ओवरों की जरूरत थी। दूबे ने 12वें ओवर में छक्का जड़कर पारी की रफ्तार बढ़ाने की शुरुआत की। दूबे ने रवींद्र जडेजा के साथ छठे विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी की, हालांकि जडेजा 24 गेंद पर एक छक्के के साथ 20 रन का योगदान ही दे सके। दूसरे छोर पर खड़े दूबे ने 18वें ओवर में चक्रवर्ती को निशाना बनाकर 15 रन बटोरे। दूबे अपने सातवें आईपीएल अर्द्धशतक तक पहुंच सकते थे लेकिन शार्दुल ने 19वें ओवर में मात्र पांच रन देकर उन्हें यह उपलब्धि हासिल नहीं करने दी। आखिरी ओवर में जडेजा का विकेट गिरने के बाद चेपौक दर्शकों के शोर से गूंज उठा क्योंकि महेंद्र सिंह धोनी बल्लेबाजी के लिये उतरे।

धोनी ने पारी की आखिरी गेंद पर दो रन लेकर चेन्नई की पारी को 144/6 के स्कोर पर समाप्त किया। नरेन ने केकेआर के लिये सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 15 रन देकर दो विकेट चटकाये। चक्रवर्ती को भी दो विकेट प्राप्त हुए, हालांकि चेन्नई ने उनके चार ओवरों में 36 रन बना लिये। वैभव अरोड़ा और शार्दुल को एक-एक सफलता हासिल हुई। चेन्नई ने इस छोटे स्कोर की रक्षा करने के लिये पावरप्ले का बखूबी इस्तेमाल किया। दीपक चाहर ने अपनी दर्शनीय स्विंग से रहमानुल्लाह गुरबाज़ (01), वेंकटेश अय्यर (09) और जेसन रॉय (12) को आउट किया। तुषार देशपांडे ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए कसी हुई गेंदबाजी की और केकेआर को तेजी से रन बटोरने का मौका नहीं दिया। पावरप्ले में तीन विकेट के नुकसान पर सिर्फ 46 रन बना सकने के बावजूद केकेआर को करीब छह के रनरेट से रन बनाने की ही जरूरत थी। रिंकू और नीतीश ने इसके बाद से बिना कोई जोखिम उठाये साझेदारी बुनना शुरू की। राणा ने विकेट पर पांव जमाने में समय लिया, लेकिन रिंकू समय-समय पर चौकों की मदद से दबाव हटाते रहे। राणा जब 18 रन पर खेल रहे थे तब मथीशा पथिराना ने उनका कैच छोड़कर केकेआर के कप्तान को एक जीवनदान दिया। इस जीवनदान के बाद से केकेआर की गाड़ी नहीं रुकी। रिंकू ने 16वें ओवर में चौका लगाकर 39 गेंद पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया। राणा ने भी 38 गेंद में पचासा जमाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिये 99 रन की साझेदारी हुई। रिंकू जब इस साझेदारी का 100वां रन लेने के लिये भाग रहे थे तब मोईन अली ने एक शानदार थ्रो की मदद से उन्हें रनआउट कर दिया। इस समय तक हालांकि मैच चेन्नई के हाथ से निकल चुका था और केकेआर को जीत के लिये 17 गेंद पर सिर्फ 13 रन की जरूरत थी। राणा ने अपनी कप्तानी पारी का अंत 19वें ओवर में विजयी चौका लगाकर किया। चाहर तीन विकेट लेकर चेन्नई के एकमात्र सफल गेंदबाज रहे।

मुख्यमंत्री ने 919 किमी लंबाई के 94 मार्गों के विकास के लिए 2213.60 करोड़ रुपए मंजूर किए

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के सर्वांगीण विकास की तेज गति के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की मंशा के साथ छोटे गांव से लेकर मेट्रो शहर तक राज्य के सड़क एवं भवन विभाग के अधीनस्थ 919 किलोमीटर लंबाई के 94 मार्गों के विकास कार्यों के लिए 2213.60 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में कृषि और व्यापार आदि गतिविधियों में वृद्धि के साथ वाहन यातायात भी दिन-प्रतिदिन बड़े पैमाने पर बढ़ा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की इस विकास यात्रा के साथ सुदृढ़ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का नवीन दृष्टिकोण अपनाकर बंदरगाहों, औद्योगिक केंद्रों, महानगरों और पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाले राज्य हाइवे को फोरलेन एवं 10 मीटर चौड़ा बनाने तथा सड़क मजबूतीकरण, पुलों एवं बाइपास सहित कुल 94 कार्यों के लिए यह भारी धनराशि मंजूर की है। इतना ही नहीं, इस वर्ष के बजट में घोषित की गई परिक्रमा पथ योजना के अंतर्गत 17 जिलों से गुजरने वाली 37 सड़कों की 289.32 किलोमीटर लंबाई को 10 मीटर चौड़ी करने के लिए 467.09 करोड़ रुपए के कार्यों को मंजूरी दी है। जिसके अनुसार सड़क एवं भवन विभाग कच्छ, बनासकांठा, साबरकांठा, दाहोद, महिसागर, आणंद, नर्मदा, सूरत, नवसारी, वलसाड, डांग, भावनगर, अमरेली, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, पोरबंदर तथा देवभूमि द्वारका जिले में परिक्रमा पथ योजना का कार्य शुरू करेगा। मुख्यमंत्री ने 'ईज ऑफ लिविंग' यानी जीवन जीने की सुगमता बढ़ाने की प्रतिबद्धता के साथ राज्य में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं विकसित करने का ध्येय भी सड़क विकास की मंजूरी में केंद्र में रखा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के सूरत, राजकोट और गांधीनगर जैसे मेट्रो शहरों को जोड़ने वाले 8 मार्गों की 117.71 लंबाई की सड़कों के चौड़ीकरण और सड़क सुधार के लिए 247.35 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। उन्होंने राज्य की सड़कों को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए अद्यतन व्हाइट टॉपिंग तकनीक के उपयोग के जरिए 3 राज्य हाईवे के 16.40 किलोमीटर लंबाई के कार्य के लिए 66 करोड़ रुपए के कार्यों को मंजूरी दी है।

मुंद्रा, दहेज पोर्ट, सावली और झघड़िया आदि औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ने वाली 10 सड़कों की 177.50 किलोमीटर लंबाई के फोरलेन तथा 10 मीटर चौड़ीकरण के लिए 146.81 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में वडनगर, पावागढ़, धरोई-अंबाजी, जांबुघोड़ा, सासणगिर और सोमनाथ की टूरिस्ट सर्किट को जोड़ने वाले 10 मार्गों की 142.46 किलोमीटर लंबाई को 10 मीटर चौड़ा करने के लिए 105.28 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य में जरूरत के अनुसार मौजूदा सड़कों को और अधिक चौड़ा करने, नए पुलों एवं फ्लाईओवर के निर्माण तथा यातायात का दबाव कम करने के लिए शहरों में बाइपास रोड बनाने के कार्यों सहित सड़क नेटवर्क का व्यापक रूप से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने प्रगति पथ योजना के अंतर्गत सुरेन्द्रनगर, अमरेली और खेड़ा जिले से होकर गुजरने वाली 3 सड़कों की 71.73 किलोमीटर लंबाई को फोरलेन करने के लिए 45.25 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मेहसाणा-पालनपुर सिक्सलेन रोड को हाईस्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के लिए फ्लाईओवर/वीयूपी (वाहन अंडर पास) और पूल के निर्माण के लिए 465 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

सूरत भूमि, सूरत। लालपुर मक्कई पुल के पास ताप्ती नदी के किनारे बनाई जा रही है बिल्डिंग। जिसका परमिशन रिनेवेशन का लिया गया है परंतु अंदर से नया बांधकाम किया जा रहा है। जिसकी तमाम शिकायत सेंट्रल जोन के चीफ जोनल, कार्यपालक, डेप्यूटी इजनेर के पास किया गया है, परंतु हर लोगों का कहना यह है कि इस बांधकाम के विरोध में मैं कुछ नहीं कर सकता आखिर कौन इसका मेहरबान है? कहीं यह मालिक अंबा नगर की हवेली में तो नहीं पहुंचा है जिससे महानगरपालिका के सभी अधिकारी मायूस हो गए हैं और अवैध बांध काम पर कार्यवाही कर ने में असमर्थता जता रहे हैं अफसोस तब होता है जब गुजरात को विकास का मॉडल बताया जाता है क्या इतने बड़े-बड़े भ्रष्टाचार से विकास की तुलना की जा सकती है..... ?

रेल राज्य मंत्री द्वारा वीडियो लिंक के माध्यलम से पश्चिम रेलवे की प्रथम भारत गौरव ट्रेन का शुभारंभ

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के इंदौर स्टेकशन से पश्चिम रेलवे की प्रथम भारत गौरव ट्रेन का शुभारंभ आज (16.05.2023) रेल एवं वस्त्रल राज्यक मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश द्वारा वीडियो लिंक के माध्यभम से किया गया। इस दौरान इंदौर स्टेशन पर सांसद इंदौर शंकर लालवानी, राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार एवं विधायक रमेश मेंदोला उपस्थित रहे। भारतीय रेलवे द्वारा च्यक भारत श्रेष्ठ भारतज्ज और च्यदेखो अपना देशज्ज की संकल्पना को प्रोत्साहित करते हुए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया जा रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन का शुभारंभ किया गया।

इस ट्रेन में यात्रियों के लिए 03 वातानुकूलित और 08 शयनयान श्रेणी के कोच रहेंगे। इस ट्रेन के द्वारा 09 रातें/10 दिनों की इस यात्रा में पुरी, गंगासागर, कलकत्ता, बैद्यनाथ, वाराणसी एवं अयोध्या के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। यात्रा के दौरान यात्रियों को चाय, नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन सहित नॉन ए.सी. स्टैण्डर्ड होटल में रात्रि विश्राम/स्नान की सुविधा दी जाएगी। स्थानीय भ्रमण के लिए नॉन एसी टूरिस्ट बसों की सुविधा प्रदान की जाएगी। टिकिट शुल्क में ही यात्रियों को चार लाख रूपये का दुर्घटना बीमा भी शामिल रहेगा। पश्चिम रेलवे की प्रथम भारत गौरव ट्रेन में इंदौर ङ्क 448 से यात्री सवार हुए तथा उज्जैसन-105, रानी कमलापति-86, इटारसी-37, जबलपुर-59, कटनी-15, अनूपपुर-5 सहित कुल 755 यात्री इस ट्रेन से यात्रा का लाभ लेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान आईआरसीटीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से श्रीमती रजनी हसीजा, रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक रजनीश कुमार सहित रतलाम मंडल एवं आईआरसीटीसी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहकारी नेता की बाबा बागेश्वर को चुनौती, सही जवाब देने पर 5 लाख के ईनाम की घोषणा

राजकोट। यहां के एक सहकारी नेता पुरुषोत्तम पीपलिया ने फेसबुक पर पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंन बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को चुनौती दी है। साथ ही घोषणा की है कि अगर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री उनके सवाल का जवाब देते हैं वह उन्हें पांच लाख रुपए का पुरस्कार देंगे। दरअसल राजकोट के रेसकोर्स मैदान में आगामी 1 व 2 जून को बागेश्वर सरकार का दरबार लगने जा रहा है और इसे लेकर तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। इस खबर के बाद राजकोट के सहकारी नेता पुरुषोत्तम पीपलिया ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को चुनौती दी है। पुरुषोत्तम पीपलिया ने अपनी पोस्ट में लिखा 'बागेश्वर बाबा बताएं कि राजकोट में ड्रग्स कहां से आता है और किसके इशारे पर आता है। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री अगर सही जवाब देते हैं तो वह उनका रु. 5 लाख का पुरस्कार देंगे।' पुरुषोत्तम पीपलिया की फेसबुक पोस्ट राजकोट में चर्चा का विषय बन गई है। सहकारी नेता का कहना है कि अगर बाबा लोग इतना सब कुछ जानते हैं तो उन्हें देशहित में उन बातों को सार्वजनिक करना चाहिए। यह देश का प्रश्न है। देश के अनेकों ड्रग्स के आदी हो रहे हैं, ऐसी स्थिति में बाबाओं को आगे आना चाहिए और ड्रग्स कौन मंगवाता है, कहां से आता है और इसके पीछे कौन कौन लोग हैं, इसका खुलासा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने यह विवाद नहीं बल्कि वास्तविकता बताई है। सोशल मीडिया के जरिए मैंने बाबा को चुनौती दी है। अंधश्रद्धा से आनेवाली पीढ़ियों को नुकसान होगा। मैं युवा वर्ग को बचाने के लिए आगे आया हूं। अगर बाबा उनके सवाल का सही जवाब देते हैं तो मैं उनका मंदिर बनवाऊंगा। मैं तांत्रिक विद्या और अंधश्रद्धा से दूर रहता हूं। हांलाकि धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के दरबार में जरूर जाऊंगा। सहकारी नेता पुरुषोत्तम पीपलिया की चुनौती के बाद राजकोट में बाबा बागेश्वर धाम के दरबार के आयोजक योगेश छनियारा की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम पीपलिया राजकोट के विख्यात अधिवक्ता हैं और मेरे बुजुर्ग भी हैं।

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कभी खुद को भगवान नहीं बताया। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने केवल यह कहा है कि उन पर हनुमान जी की कृपा है। यह विषय हमें धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री और हनुमान जी पर छोड़ देना चाहिए। बता दें कि धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री आगामी जून महीने में राजकोट आ रहे हैं। राजकोट के रेसकोर्स मैदान में 1 और 2 जून बागेश्वर सरकार का दिव्य दरबार लगेगा। जिसे लेकर रेसकोर्स मैदान में तैयारियां शुरू हो गई हैं।

भाजपा सांसद की मुश्किलें बढ़ीं, डॉ. अतुल चुग स्यूसाइड केस में एफआईआर दर्ज

गिर सोमनाथ। जूनागढ़ से भाजपा सांसद राजेश चूडास्मा और उनके पिता नारण चूडास्मा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गिर सोमनाथ के डॉ. अतुल चुग आत्महत्या केस में पुलिस ने तीन महीने बाद आखिर राजेश चूडास्मा और उनके पिता नारण चूडास्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। एफआईआर दर्ज होने के बाद राजेश चूडास्मा और नारण चूडास्मा के फोन स्वीच ऑफ हो गए हैं। बता दें कि अतुल चुग की स्यूसाइड नोट में भाजपा सांसद राजेश चूडास्मा और उनके पिता नारण चूडास्मा के नाम का उल्लेख किया गया था।

राजेश चूडास्मा और नारण चूडास्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद गिर सोमनाथ के पुलिस अधीक्षक का बयान सामने आया है। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक डॉ. अतुल चुग आत्महत्या केस में सबूत मिलने के बाद राजेश चूडास्मा और नारण चूडास्मा के खिलाफ केस दर्ज किया है। मृतक डॉ. अतुल चुग के बेटे हितार्थ चुग ने जो रिपार्ट दर्ज करवाई है, उसके मुताबिक वर्ष 2008 में राजेश चूडास्मा और नारण चूडास्मा द्वारा कई किश्तों में डेढ़ से पौने दो करोड़ रुपए लिए थे। इतनी बड़ी रकम लेने के बाद लौटाई नहीं गई थी। जब मेरे पिता डॉ. अतुल चुग रुपयों की मांग करते तब उन्हें जान से मार देने की राजेश चूडास्मा और नारण चूडास्मा धमकी देते थे।

धमकियों से डरकर मेरे पिता डॉ. अतुल चुग ने गत 12 फरवरी 2023 को फांसी लगाकर जान दे दी थी। इस घटना के तीन महीने बाद आखिरकार पुलिस ने राजेश चूडास्मा और उनके पिता नारण चूडास्मा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। गौरतलब है डॉ. अतुल चुग आत्महत्या केस में कई बार पेशकश के बावजूद राजेश चूडास्मा और नारण चूडास्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करने पर हितार्थ चुग ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग के साथ गुजरात हाईकोर्ट में कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट की याचिका दाखिल की थी। हांलाकि हाईकोर्ट ने हितार्थ चुग की याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह मामला हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

भारत में अमेरिका के राजदूत ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

अहमदाबाद ।

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने सोमवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने मार्च-2023 में भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर पदभार संभालने के बाद पहली बार गुजरात का दौरा किया है। गुजरात में अपने इस दौरे के दौरान मिले गर्मजोशी भरे स्वागत को लेकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजदूत एरिक गार्सेटी ने यह उम्मीद जताई कि अमेरिका और भारत व्यापार-वाणिज्य के द्विपक्षीय संबंधों, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और नेट जीरो कार्बन इकोनॉमी के क्षेत्रों में साथ मिलकर काफी बेहतर कार्य कर सकते हैं। अमेरिकी राजदूत ने भारत और गुजरात के साथ यू-20 (अर्बन-20), ओलंपिक खेलों और आगामी वाइब्रेंट समिट में सहयोग करने को लेकर उत्सुकता दिखाई/ उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को लॉस एंजेलिस का दौरा करने का भी भावभीना निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक में बातचीत के दौरान कहा कि गुजरात निवेश के श्रेष्ठ गंतव्य के रूप में प्रसिद्ध हुआ है। पटेल ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच नियमित संवाद और उच्चस्तरीय संपर्कों की गति से दीर्घकालिक संबंधों को और अधिक विस्तार मिला है। मुख्यमंत्री ने अपेक्षा व्यक्त की कि सभी को साथ रखकर विकास के मार्ग पर चलने की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भावना इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक से साकार होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 14 फीसदी का योगदान देता है और विश्व का सबसे बड़ा 30 गीगावाट क्षमता का सोलर एंड विंड हाइब्रिड एनर्जी पार्क विकसित कर रहा है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने अमेरिकी कंपनियों को स्वच्छ ऊर्जा, ग्रीन मोबिलिटी तथा ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन देने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, ग्रिड इंटीग्रेशन और ग्रीन हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग एवं निवेश के अवसर तलाशने का आमंत्रण दिया। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने भारत की प्रथम ग्रीन फील्ड स्मार्ट सिटी गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में अमेरिकी फिनटेक कंपनियों और टेक स्टार्टअप को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में अवसर ढूंढने के लिए आमंत्रित किया।

ओपरेशनल एक्सेलेरेशन और ग्राहक सहायता बढ़ाने के लिए सूरत में फ्रेंच क्राउन ने कार्यालय की जगह को दोगुना कर 32,000 वर्ग फुट कर दिया है

सूरत ।

प्रीमियम फैशन ब्रांड फ्रेंच क्राउन ने सूरत, गुजरात में 32000 वर्ग फुट के एक नए ऑफिस स्पेस में शिफ्ट होने की रणनीतिक योजना की घोषणा की है। नया कार्यालय स्थान आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में तेजी लाने और अपने भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों को सम्मोहक सहायता प्रदान करने के लिए अपने परिचालन के विस्तार के लिए एक आधार के रूप में काम करेगा।

कंपनी वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही के अंत तक अपनी टीम का और विस्तार करने की योजना बना रही है। इस मई, फ्रेंच क्राउन 50 से अधिक इंटर्नों के लिए मूल्यवान सीखने और विकास के अवसरों का विस्तार करेगा।

फ्रेंच क्राउन के सीईओ और संस्थापक इलेश घेवारिया ने कहा, च्हम अपने नए ऑफिस स्पेस में शिफ्ट होने को लेकर बहुत उत्साहित हैं, जो हमारी कंपनी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हमारे कार्यालय स्थान का विस्तार करना एक चतुर निर्णय है, जिससे हमारे कर्मचारियों और क्षमताओं को मजबूत करने के अवसर बढ़ जाते हैं। भौगोलिक रूप से हमारे पदचिह्न का विस्तार करने की योजना कंपनी की विकास रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कार्यालय शिफ्ट के परिणामस्वरूप परिचालन परिवर्तन होने की उम्मीद है जिसका फ्रेंच क्राउन सेवाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उधना, सूरत और दमन में फ्रेंच क्राउन निर्माण इकाइयों के नए कार्यालयों की निकटता और बड़े आकार से बहुत लाभ होगा। बेहतर विभागीय अलगाव और उन्नत संचार संरचना के साथ-साथ स्टॉक प्रबंधन प्रणाली में सुधार - ग्राहक सेवा में सुधार के साथ-साथ कार्यप्रवाह को सुव्यवस्थित करने के लिए तैयार है।

नया कार्यालय स्थान कई सुविधाएँ प्रदान करता है जिससे हमारे कर्मचारियों को बहुत लाभ होगा। इनमें कई लाउंज, मंथन कक्ष और अलग मानव संसाधन, लेखा और शिपिंग कार्यालय शामिल हैं। हमारा उद्देश्य एक सहयोगी और कुशल कार्य वातावरण को बढ़ावा देना है। इसके अलावा हमारे साझा भोजन क्षेत्र और प्रत्येक कर्मचारी के डेस्क के लिए फूलों के बर्तनों का प्रावधान सौहार्द के लिए एक सकारात्मक और प्रेरक वातावरण बनाता है।

फ्रेंच क्राउन के सीओओ और सह-संस्थापक भवदीप घेवरिया ने कहा, च्यह विस्तार फ्रेंच क्राउन के विकास और भविष्य की योजनाओं के अनुरूप है। भारत पर रणनीतिक ध्यान देने के साथ, नया कार्यालय स्थान उन संसाधनों और सुविधाओं तक आसान पहुंच प्रदान करता है जो पहले अनुपलब्ध थीं। इस प्रकार कंपनी के दीर्घकालिक उद्देश्यों का समर्थन करना।

सूरत में महिला टीसीएल में अहमदाबाद की साइनिंग स्टार्स जीती, सूरत सिटी पुलिस टीम उपविजेता रही

सूरत। आईपीएल क्रिकेट के बुखार के बीच, स्प्रिंट एरा ग्रुप द्वारा आयोजित टॉप चैंपियंस लीग (टीसीएल) ऑल वूमेन क्रिकेट टूर्नामेंट सूरत सीज़न वन चैंपियंस ट्रॉफी का रविवार 14 मई को लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम क्रिकेट ग्राउंड में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

अहमदाबाद और राजकोट के बाद पहली बार सूरत में महिला क्रिकेट प्रेमियों के जोश को एक उचित मंच प्रदान किया गया।कुल 8 टीमों का पंजीकरण किया गया था, जिनमें से एक टीम कप्तान के रूप में मिनी जोसेफ (एसीपी, सूरत सिटी) के साथ सूरत शहर की महिला पुलिस से थी। शीर्ष चैंपियंस लीग केवल गैर-पेशेवर क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए आयोजित की गई थी। महिला खिलाड़ियों ने खुले मैदान में टेनिस की सख्त गेंद से क्रिकेट खेला।

नियमानुसार एक टीम ने 3 मैच खेले और अंक बटोरे। टीमें स्कोर में लीग वार आगे बढ़ीं और फाइनल में पहुंचीं। जैसा कि CricHeroes ऐप पर पंजीकरण किया गया था, प्रत्येक मैच का स्कोर अपडेट किया गया था जबकि फाइनल मैच को ऑनलाइन माध्यम से लाइव दिखाया गया था। इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स भी मिला था।

क्रिकेट विभिन्न क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभा है। सूरत की महिला डॉक्टर, उद्यमी, पेशेवर सहित टीमें शामिल थीं, लेकिन अहमदाबाद से भी दो टीमें इस क्रिकेट टूर्नामेंट का हिस्सा बनीं। सूरत में विजेता टीम को आईपीएल स्तर की चैम्पियन ट्रॉफी से नवाजा गया और खिलाडियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। टीसीएल में भाग लेने वाली सभी महिला खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया।

अहमदाबाद से स्पेशल सूरत खेलने आई साइनिंग स्टार्स की कप्तान बिनीता शाह ने बाजी मार ली, जबकि सूरत सिटी पुलिस की टीम उपविजेता रही। इनमें कैप्टन एसीपी मित्री जोसेफ भी थीं। उपविजेता टीम ने उत्साह से क्रिकेट खेला और अन्य महिला क्रिकेट टीमों को प्रोत्साहित किया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)